सुविचार
''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950
दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम
चमकता राजस्थान
विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनु, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 राज्य को वैश्विक औद्योगिक हब बनाने के लिए सरकार प्रयासरतः उपमुख्यमंत्री दिया...
पेज @4 राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद् अधिवेशन एवं नवगठित कार्यकारिणी...
पेज @8 हमारी तरह ही फार्म एनिमल्स भी संवेदनशील प्राणी हैं जो दर्द और...

राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं : मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा

निवेशकों को हरसंभव मदद करेगी राज्य सरकार विकसित राजस्थान की यात्रा में राजस्थानी मूल के प्रशासनिक अधिकारियों के सुझाव अहम

राइजिंग राजस्थान सम्मेलन से प्रदेश को बनाया जाएगा निवेश का प्रमुख केन्द्र

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 21 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान की यात्रा में राजस्थानी मूल के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके अनुभव, सुझाव और संपर्क राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों से प्राप्त सुझावों को राज्य की महत्वपूर्ण नीतियों में शामिल किया जाएगा। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के भारतीय प्रशासनिक सेवा के उच्च अधिकारियों के साथ राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी 9 से 11 दिसम्बर तक राजस्थान में वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य राजस्थान को निवेश के लिए एक प्रमुख स्थान के रूप में स्थापित करना है और इसके माध्यम से राज्य के विकास में नए आयाम जोड़ने हैं। मूलभूत सुविधाओं के विकास पर कार्य कर रही राज्य सरकारमुख्यमंत्री

ने कहा कि किसी भी प्रदेश की प्रगति के लिए मूलभूत ढांचे का विकसित होना आवश्यक है। इसलिए हमारी सरकार पहले दिन से ही बिजली, पानी, परिवहन और आधारभूत ढांचे के विकास पर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ईआरसीपी एवं यमुना जल वितरण जैसे समझौते, तथा देवास परियोजना शुरू करने एवं इंदिरा गांधी नहर में अधिक पानी सुनिश्चित करने जैसे अहम कदमों से प्रदेश में पर्याप्त जलापूर्ति के लिए गतिशील है। इसके अतिरिक्त अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2.24 लाख करोड़ रुपए के एमओयू किए गए हैं जो धीरे-धीरे धरातल पर उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यटन और खनन क्षेत्र को भी बढ़ावा दे रही है। राज्य में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए नए स्थान चिन्हित किए गए हैं। जिनका विकास किया जा रहा है।शर्मा ने कहा कि किशनगढ़, झालावाड़, सिरोही और सीकर जैसे स्थानों पर हवाई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल नीतियां बनाने सहित उनको हरसंभव मदद दे रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पर्यटन, कृषि एवं ऑटोमोबाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में निवेश राजस्थान के विकास को गति देगा और हमारे राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। राइजिंग राजस्थान समिट के माध्यम से राज्य सरकार राजस्थान को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए भी एक आकर्षक राज्य बनाना चाहती है।

मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों से आ''ान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यरत प्रवासी राजस्थानी उद्यमियों, उद्योगपतियों और निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट के दौरान राज्य सरकार ने 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानियों के लिए राजस्थानी कॉन्क्लेव आयोजित किया है। उनके साथ ही विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के प्रशासनिक अधिकारी भी इसमें शामिल होकर अपने अमूल्य सुझाव दें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का अनुभव राजस्थान को निवेश के एक प्रमुख केंद्र में बदलने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही, उन्होंने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सभी अधिकारियों से सुझाव भी मांगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र कैडर के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व राजेश कुमार, बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीना, पश्चिम बंगाल कैडर के पंचायतीराज सचिव विवेक भारद्वाज, गुजरात कैडर की अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि सुश्री अंजू शर्मा, उत्तर प्रदेश कैडर के प्रमुख शासन सचिव बागवानी एवं रेशम बाबू लाल मीना, केरल कैडर के अतिरिक्त मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. देवेन्द्र डोडावत, महाराष्ट्र कैडर के राज्य विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र, तमिलनाडु कैडर के चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट अध्यक्ष सुनील पालीवाल, उत्तर प्रदेश कैडर के प्रमुख शासन सचिव पिछडा वर्ग कल्याण सुभाष चंद्र शर्मा, पंजाब कैडर के प्रमुख शासन सचिव मुद्रण और स्टेशनरी वीरेन्द्र कुमार मीना, तमिलनाडु कैडर के प्रमुख शासन सचिव नागरिक आपूर्ति डॉ. हर सहाय मीना, गुजरात कैडर के प्रमुख शासन सचिव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण धनंजय द्विवेदी, महाराष्ट्र कैडर के प्रमुख शासन सचिव वित्त (व्यय) सौरभ विजय से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

अधिकारियों ने दिए विभिन्न रचनात्मक सुझाव

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अपने-अपने राज्यों में निवेश के लिए किए जा रहे नवाचारों की जानकारी देते हुए कईरचनात्मक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की उद्योग अनुकूल नीतियों और सौर एवं पवन ऊर्जा तथा खनिज क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए निवेशक आकर्षिक हो रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने उद्योगों के लिए स्थाई जल प्रबंधन सौर ऊर्जा को बढ़ावा, कृषि का आधुनिकीकरण करने, नवीन औद्योगिक नीतियों को जल्द लागू करने, सिंगल विंडो सिस्टम का सुदृढीकरण करने, श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने, एवं पर्यटन एवं शिक्षा को मुख्य विकास क्षेत्रों के रूप में बढ़ावा देने के साथ ही धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने के सुझाव दिए। वीसी में भारत सरकार के इस्पात सचिव संदीप पोंड्रिक, जल शक्ति और पेयजल सचिव, भारत सरकार अशोक कालूराम मीना, उत्तर प्रदेश कैडर की प्रमुख शासन सचिव गन्ना उद्योग श्रीमती वीणा कुमारी मीना, असम/मेघालय कैडर के अतिरिक्त मुख्य सचिव खनन संजय लोहिया भी जुड़े। बैठक में मुख्यमंत्री निवास से मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य रोहित गुप्ता, रीको प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह, विशिष्ट शासन सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय संदेश नायक उपस्थित रहे।

न्यूज़ अपडेट

गुजरात में सामूहिक आत्महत्या की कोशिश, ज्वेलर परिवार के 9 सदस्यों ने खाया जहर

राजकोट/एजेंसी

गुजरात के राजकोट शहर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक ज्वेलर परिवार के नौ सदस्यों ने कीटनाशक दवा खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। खबरों के मुताबिक इस ज्वेलर को मुंबई के कुछ व्यापारियों से करीब 2 करोड़ रुपए वापस लेना है लेकिन वे चुका नहीं रहे हैं ऐसे में यह परिवार आर्थिक संकट में आ गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए शनिवार को एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना गुंडावाड़ी इलाके की है, जहां रहने वाले अडेसरा परिवार के नौ सदस्यों ने शुक्रवार रात खुदकुशी करने की असफल कोशिश की। सुसाइड की कोशिश की वजह बताते हुए भक्तिनगर थाने के निरीक्षक मयूरध्वज सरवैया ने कहा कि अडेसरा परिवार ने पिछले साल मुंबई के दो व्यापारियों को लगभग 2 करोड़ रुपए के 3 किलो सोने के आभूषण बेचे थे। जिसका पैसा उन व्यापारियों ने अबतक नहीं चुकाया है। ऐसे में उनकी इस धोखाधड़ी से परेशान होकर अडेसरा परिवार ने यह कदम उठाया। हालांकि इसके बाद उन्होंने खुद ही फोन करके एंबुलेंस को बुला लिया, जिसेक बाद उन्हें अस्पताल में ले जाया गया, जहां सभी की हालत स्थिर है। पुलिस ने कहा कि कीटनाशक खाने वालों में 8 साल का एक बच्चा और 67 साल की एक बुजुर्ग महिला भी शामिल है। परिवार के सदस्य और ज्वेलरी कारोबार में साझेदार केतन अडेसरा ने मीडियाकर्मियों को मामले की जानकारी देते हुए बताया कि, 'मुंबई के व्यापारियों ने दीपावली 2023 तक आभूषणों का पेमेंट देने का वादा किया था, लेकिन अभी तक उन्होंने पैसे नहीं दिए हैं। ऐसे में यह परिवार खुद आर्थिक तंगी का शिकार हो गया है और अपने बैंक के लोन की किश्तें नहीं चुका पा रहा है। जिसके बाद परेशान होकर पूरे परिवार ने एक साथ इतना बड़ा कदम उठाने की हिम्मत कर ली।

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी ने ली शपथ

गोपाल राय के पास सिर्फ 3 डिपार्टमेंट

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी ने शनिवार को शपथ ली. दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राजनिवास में आतिशी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. आतिशी के अगुवाई वाली दिल्ली सरकार में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय, मुकेश अहलावत, इमरान हुसैन, सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत ने मंत्री पद की शपथ ली. शपथग्रहण के कुछ ही घंटों बाद दिल्ली सरकार के मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कर दिया गया.

दिल्ली की सीएम आतिशी के पास शिक्षा, वित्त, ऊर्जा, जल, सहित पहले से मौजूद सभी 13 विभाग रहेंगे. इसी तरह से सौरभ भारद्वाज के पास स्वास्थ्य, शहरी विकास और समाज कल्याण सहित आठ विभागों की जिम्मेदारी होगी. वहीं, गोपाल राय के पास पर्यावरण सहित तीन विभाग, कैलाश गहलोत के पास ट्रांसपोर्ट, महिला बाल विकास सहित चार विभाग, इमरान हुसैन के पास फूड सप्लाई और चुनाव विभाग, जबकि मुकेश अहलावत दिल्ली के एस/एसटी मंत्री बनाए गए हैं, जिनके पास श्रम सहित सहित चार और विभागों का जिम्मा होगा.इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण के बाद आतिशी ने जनता से अगले चुनाव में एक बार फिर अरविंद केजरीवाल को चुनने की अपील की है. उन्होंने कहा, ''अगर अरविंद केजरीवाल को नहीं चुना गया, तो भाजपा दिल्ली की जनता का हाल बुरा कर देगी, ना उन्हें मुफ्त बिजली मिलेगी और ना ही मुफ्त पानी. अरविंद केजरीवाल मेरे बड़े भाई हैं, गुरु हैं. उन्होंने मुझे आज इतना बड़ा मौका दिया, इसके लिए उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद, लेकिन यह मेरे लिए और हम सबके लिए एक बहुत भावुक क्षण है.''

उन्होंने कहा, ''अरविंद केजरीवाल ने बीते 10 सालों में दिल्ली के आम लोगों के दर्द को अपना समझा है. दिल्ली की जनता के लिए उन्होंने मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त यात्रा, महिला सुरक्षा के लिए बसों में मार्शल की तैनाती करना जैसे बहुत महत्वपूर्ण काम किए हैं. अरविंद केजरीवाल को पीएमएलए कोर्ट में जमानत मिलना आसान नहीं था. उन्हें जमानत देकर सुप्रीम कोर्ट ने बहुत बड़ा उदाहरण दिया है.''

'भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी मजबूत', पीएम मोदी से द्विपक्षीय वार्ता के बाद बोले राष्ट्रपति बाइडेन

नई दिल्लीः

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई. करीब डेढ़ घंटे तक चली बैठक के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी मजबूत है. इसके बाद पीएम मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे. क्वाड लीडर्स समिट के दौरान पीएम मोदी का जोर अमेरिका और अन्य इंडो-पैसिफिक सहयोगियों के साथ भारत के दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करने पर होगा. इससे पहले अमेरिका पहुंचने पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत हुआ. पीएम मोदी और उनके साथ यात्रा कर रहा भारतीय प्रतिनिधिमंडल लंबी उड़ान के बाद अमेरिका पहुंचा है. हालांकि दिन के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए उनके पास आराम करने का समय नहीं है. पीएम मोदी के डेलावेयर पहुंचने पर भारतीय समुदाय में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला. हर कोई पीएम मोदी की एक झलक पा लेना चाहता था. पीएम मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के अलावा क्वाड समूह के अन्य नेताओं के साथ भी द्विपक्षीय चर्चा करेंगे, जिनमें ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस और जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो शामिल हैं. क्वाड ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के बीच एक राजनयिक साझेदारी है जो एक खुले, स्थिर और समृद्ध इंडो-पैसिफिक का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है. पीएम मोदी और बाइडेन की बैठक के बाद कुछ प्रमुख इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क संबंधी समझौतों होने की उम्मीद की जा रही है. दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय चर्चा के बाद एक द्विपक्षीय फैक्ट शीट भी जारी किया जाएगा. सबसे महत्वपूर्ण छठे क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन भारतीय समय के अनुसार रविवार को रात करीब डेढ़ बजे आर्कमेरे अकादमी में निर्धारित है, जहां बाइडेन ने हाई स्कूल में पढ़ाई की थी. क्वाड नेता स्वास्थ्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, उभरती टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और आतंकवाद विरोधी क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करेंगे. साथ ही यूक्रेन और गाजा संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान खोजने के तरीकों पर भी चर्चा होगी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, प्रगति और स्थिरता पर जोर दिया जाएगा. अमेरिका रवाना होने से पहले शनिवार को पीएम मोदी ने कहा कि क्वाड हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने वाले समान विचारधारा वाले देशों के प्रमुख मंच के रूप में उभरा है.

फेड रिज़र्व ब्याज दर में कटौती: ट्रंप हताश तो कमला को आस क्यों?

अमेरिका के सेंट्रल बैंक 'फेड रिजर्व' ने बुधवार को आधा प्रतिशत ब्याज दर में कटौती कर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की नींद उड़ा दी है, वहीं डेमोक्रेट कमला हैरिस ने राहत की सांस ली है। पिछले ढाई वर्षों में कीमतें लगातार आसमान छू रही थीं, अमेरिका मंदी (7%) जा रहा था। इससे लोगों के लिए ग्रोसरी से लेकर मकानों के मार्टगेज की ऊंची दरें देना मुश्किल हो रहा था। एक हफ्ते पहले डोनाल्ड ट्रंप ने टीवी डिबेट में देश में इंफ़्लेशन में निरंतर तेजी पर चिंता जताई थी और दावा किया था कि उन्होंने अपने कार्यकाल में इंफ़्लेशन बढ़ने नहीं दिया। इसके विपरीत डेमोक्रेट कमला हैरिस ने आधा प्रतिशत अंक की कटौती का स्वागत किया है। फेड चेयरमैन ने विश्वास जताया है कि अब मंदी के दायरे से निकल चुके हैं। अब फ़ेड रिज़र्व की कोशिश है कि सन 2025 के अंत तक ब्याज दरों को दो प्रतिशत वार्षिक और नीचे अर्थात 2.75 से 3 % लाने की है। फेड रिजर्व के निर्णय का भारतीय बाज़ार पर अनुकूल असर पड़ने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। इसका भारत में टेक इंडस्ट्री पर तो असर पड़ेगा ही, अमेरिका से आयातित कम्प्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक साज सामान भी सस्ता होगा। ईंधन की दरों में कमी से भारत को विदेशी मुद्रा में अथाह राहत मिलेगी।

फेड रिज़र्व के इस निर्णय के बाद संभव है, आरबीआई अपने रेपो रेट में आधा अथवा चौथाई प्रतिशत अंक की कटौती कर क़ीमतों में कमी लाने के लिए सरकार को एक मौक़ा दे। ऐसा होने पर चुनाव में इसका लाभ मौजूदा सरकारों को मिल सकता है। एशियाई स्तर पर चीन क्या निर्णय लेगा, कहना कठिन है, जापान, कोरिया और हांगकांग में इसका असर देखा जाने लगा है। स्टर्लिंग, यूरो और युआन की दरों में कुछ कमी आई है जबकि वीरवार को पेट्रोल ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड आयल की क़ीमतों में कमी से बाज़ार में क़ीमतें कम होने की उम्मीदें लगाई जा सकती हैं। एशिया में हांगकांग मॉनिटरी अथॉरिटी ने तो रातोंरात रेपो रेट में .50 प्रतिशत अंक की कटौती कर दी है। अमेरिका में चुनाव की दृष्टि से रिपब्लिकन और डेमोक्रेट में रेपो रेट में कटौती से एक राजनैतिक बहस छिड़ गई है। फेड रिज़र्व इस बहस को निरर्थक मानता है। फेड रिज़र्व के चेयरमैन जेराम पावेल ने फेड रिज़र्व के निदेशक मंडल की बैठक में निर्णय के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''बोर्ड की नज़र में फेड रिज़र्व एक स्वायत्तशासी निकाय है। वह न तो राजनीति से प्रभावित होता है और न ही राजनीति को हावी ही होने देता है। पिछले ढाई वर्ष से क़ीमतें बढ़ रही थीं। मंदी की आशंकाएँ बढ़ती जा रही थीं। इस पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। अर्थशास्त्री समूह में एक वर्ग बड़े स्तर पर उम्मीद कर रहे थे कि चौथाई अंक प्रतिशत रेपो रेट में कमी किया जाना श्रेयस्कर होगा। लेकिन क़ीमतों में कमी नहीं आने से कॉरपोरेट स्तर पर रोजगार क्षेत्र प्रभावित हो रहा था। फेड का तर्क था कि भले वित्तीय डाटा ज्यादा प्रतिकूल नहीं थे लेकिन रोज़गार को किसी भी स्थिति में उजड़ने का जोखिम नहीं उठाया जा सकता था। उन्होंने कहा कि, 'हम अपनी इकोनॉमी की हेल्थ और स्ट्रेंथ बनाए रखने के लिए कटिबद्ध हैं। इसके लिए प्रशासनिक स्तर आगे आने वाले समय में क्या किया जा सकता है, इसके लिए फेड रिज़र्व ने राजनैतिक स्तर पर भी एक रूपरेखा बना कर प्रेषित की थी। इसके लिए वित्तीय और रोज़गार के डाटा पर विचार किया गया था। कॉरपोरेट क्षेत्र से रोज़गार सिमट रहा था, जो किसी भी क़ीमत पर सहनीय नहीं था। रोज़गार मार्केट की ताक़त बनाए रखने के लिए आधा अंक प्रतिशत दर की कटौती ज़रूरी समझी गई। एक सवाल के जवाब में जेराम पावेल ने कहा कि उनके फेड रिज़र्व के कार्यकाल में उनका यह चौथा चुनाव है और वह दावे के साथ कह सकते हैं कि इस बीच फेड रिज़र्व कभी राजनीति अथवा राजनीतिज्ञों से प्रभावित नहीं हुआ। फेड रिज़र्व चुनाव से पहले अथवा बीच में जब कोई निर्णय लेते हैं, वह मौजूदा डाटा के आधार पर ही निर्णय लेता है। हालाँकि इस निर्णय के विरुद्ध फेड गवर्नर मिशेल बोमन ने असहमति व्यक्त की। वह चौथाई प्रतिशत अंक के पक्षधर थीं। मिशेल की नियुक्ति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2018 में की थी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में चुनाव से पूर्व पिछले पाँच दशक में ऐसा शायद ही कोई मौक़ा आया होगा, जब रेपो रेट में कमी नहीं की गई होगी। वर्ष 1976 और 1984 में चुनाव से मात्र दस सप्ताह से भी कम समय में ब्याज दरों में कटौती की गई। इस बार बैंक ब्याज दरें अपनी सभी हदें पार कर चुका था। लोगों को घरों के मॉर्टगेज और कॉलेज स्टूडेंट को बैंक ऋण की बढ़ी हुई दरों के कारण ट्यूशन फीस चुकाना मुश्किल हो रहा था, कॉरपोरेट जगत ने छँटनी शुरू कर दी थी। इन दिनों अमेरिका में प्राय: बैंकों जमा राशि पर ही ब्याज दर 4.75 से 5% है, जबकि ऋण पर इससे एक डेढ़ प्रतिशत ज्यादा 6.2 % है। यह बैंक ब्याज दर पिछले दो दशक में उच्चतम स्तर पर थी। इससे रोज़गार क्षेत्र भी प्रभावित हो रहा था।

ट्रंप दावा कर रहे हैं कि उनके कार्यकाल में इन्फ़्लेशन पर अंकुश था, बाज़ार में वस्तुओं और सेवाओं के दाम कम और स्थिर रहने से सामान्य वर्ग सुखी था। इसके लिए ट्रम्प ने फेड रिज़र्व के निर्णय को अनुचित बताया है। इसके विपरीत कमला हैरिस ने फेड रिज़र्व के निर्णय को स्वागत योग्य बताया है और कहा है कि इससे आमजन को बढ़ी हुई क़ीमतों से राहत मिलेगी। ट्रम्प ने कहा है कि प्रेज़िडेंट का फेड रिज़र्व पर अंकुश होना चाहिए जबकि कमला हैरिस ने कहा है कि फेड रिज़र्व की स्वायत्तता क़ायम रखी जानी चाहिए। कांग्रेस में निचले सदन में हाउस वित्तीय समिति के अध्यक्ष रिपब्लिकन पैट्रिक मेकेनरी ने कहा है कि फेड रिज़र्व को राजनीतिक शोरशराबे की चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्हें वित्तीय डाटा के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। यह भी कह दिया था कि उसे निर्भीक और स्वतंत्र हो कर फ़ैसला करना चाहिए। उनका कहना था कि फेड रिज़र्व के इस निर्णय से जन साधारण को लगेगा कि इकोनॉमी वास्तव में ख़राब स्थिति में है। हुआ यह कि फेड निर्णय के एक दिन पहले रेपो रेट में कटौती को लेकर तीन डेमोक्रेट सीनेटर एलिज़ाबेथ वारेन, .75 प्रतिशत अंकों की कटौती की गुहार लगा चुकी थीं। पिछले पाँच चुनाव में रेपो रेट में बढ़ोतरी हुई और छह में कटौती। ऐसे पांच मौजूदा प्रेज़िडेंट ने फेड रिज़र्व की नीतियों के बल पर दोबारा चुनाव जीते हैं। हाँ सन 2000 में डेमोक्रेट उपराष्ट्रपति अल गोर और रिपब्लिकन जार्ज बुश चुनाव जीत गये। तब फेड रिज़र्व ने चुनाव से ठीक पहले एक प्रतिशत अंक में बढ़ोतरी की थी। बता दें, कोविड की मार झेलते हुए फेड रिज़र्व ने सन 2020 में ब्याज दर क़रीब शून्य कर दी थीं, इसके बाद 2021 में ब्याज दरें बढ़ाईं, पर थोड़े समय रहीं। इसके बाद ऐसा दौर आया कि ज़्यादातर ग्लोबल बैंकों ने इन्फ़्लेशन के मद्देनज़र अनुसरण किया। फिर रूस की ओर से यूक्रेन पर हमले से ऊर्जा के दाम बढ़ने से ज़रूरी जिंसों के दाम बढ़ गए।

तिरुपति में प्रसादम से खिलवाड़ आस्था पर आघात

ललित गर्ग

लाखों-करोड़ों हिन्दू श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर में मिलने वाले लड्डू वाले प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल की शर्मनाक एवं लज्जाजनक घटना ने न केवल चौंकाया है बल्कि मन्दिर व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही आस्था पर आघात करने वाला भी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले यह कहा कि तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डुओं को बनाने में ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें पशुओं की चर्बी मिली रहती थी, फिर उन्होंने गुजरात की एक सरकारी प्रयोगशाला से मिली रपट के आधार यह कहा कि लड्डुओं को बनाने में जिस घी का उपयोग होता था, उसमें सचमुच पशुओं की चर्बी, मछली के तेल आदि का प्रयोग होता था। यह घटना हिन्दू आस्था, पवित्रता एवं मन्दिर संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्ठा एवं एक विडम्बनापूर्ण त्रासदी है। अगर प्रसाद के मिलावटी एवं अपवित्र होने की बात सही है तो इससे अधिक आघातकारी, अनैतिक एवं अधार्मिक और कुछ हो ही नहीं सकता। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं का वितरण न केवल श्रद्धालुओं के बीच किया गया, बल्कि भगवान को भी भोग के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता था। अब इस मामले में केंद्र सरकार एवं प्रांत सरकार के दखल देने मात्र से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता क्योंकि हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने वाला यह प्रकरण अक्षम्य अपराध है, जिसकी गहन जांच होनी ही चाहिए, ताकि ऐसे जघन्य कृत्य अन्य मन्दिरों की अस्मिता के धुंधलाने के कारण न बने।

प्रथम दृष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायत्ती प्रयोगशाला ही बना ले? मंदिर प्रबंधन के पास न तो अपनी जांच सुविधाएं हैं और न वह जांच कराने का इच्छुक था? देश के संपन्नतम मंदिरों में शुमार यह तीर्थ अगर गुणवत्ता, आस्था एवं पवित्रता से समझौता कर रहा है, तो देश के बाकी मंदिरों में क्या हो रहा होगा, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। मन्दिरों एवं आस्थास्थलों पर दिनोंदिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की आस्था एवं भीड़ से आर्थिक लाभ कमाने की मानसिकता न केवल घिनौनी है बल्कि शर्मनाक भी है। मंदिर तो भगवान भरोसे चल रहे हैं, पर मन्दिर-प्रबंधन स्वयं को अर्थपति बनाने में जुटा है, यही कारण है कि मन्दिर को धंधा बना दिया गया है, ऐसे मन्दिर प्रबंधकों, पूजारियों एवं पदाधिकारियों की श्रद्धा न तो भगवान के प्रति है और न भक्तों के प्रति। वे तमाम मंदिर, जो अपने यहां से प्रसाद वितरित करते हैं या बेचते हैं, उन सभी को गुणवत्ता, शुद्धता

एवं पवित्रता जांच की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए। एक बड़ा सवाल यह है कि ये कौन लोग हैं, जिन्हें पवित्रता एवं जन-आस्था की परवाह नहीं है। मंदिर ट्रस्ट ने प्रसादम से खिलवाड़ और मिलावट की पुष्टि की है। देश के एक पवित्रम श्रद्धा केंद्र तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा है कि घी के आपूर्तिकर्ताओं ने मंदिर में गुणवत्ता जांच की सुविधा न होने का फायदा उठाया है। अब सवाल उठता है कि मंदिर प्रबंधन की सफाई या स्वीकारोक्ति को कितनी गंभीरता से लिया जाए? क्या मंदिर प्रबंधन को अपराध की गंभीरता का अंदाजा है? क्या मंदिर प्रबंधन को मंदिर की पवित्रता का अनुमान है? देश एवं दुनिया के सबसे चर्चित आस्थास्थल से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। यह अफसोस की बात है कि मंदिरों में बाहर से चढ़ने वाला प्रसाद तो पहले से ही संदेह के दायरे में रहता है, पर अगर मंदिर की अपनी रसोई में तैयार होने वाले प्रसाद की भी विश्वसनीयता आहत हुई है, तो यकीन मानिए, इंसान फिर किन पर भरोसा करेगा? क्योंकि व्यापार में मिलावट तो चल ही रही है, अब मन्दिरों में यानी भगवान के दरबार में मिलावट से मनुष्यता गहरे रसातल में चली गयी है। मूल्यहीनता एवं अनैतिकता की यह चरम पराकाष्ठा है। गुणवत्ता एवं पवित्रता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती को स्वीकार करते हुए युद्ध स्तर पर काम करने की आवशयकता है।

इस खुलासे के बाद लोग अपना गुस्सा एवं आक्रोश भी जाहिर कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही 1984 में भी हुआ था जब डालडा में चर्बी मिले होने का मामला सामने आया था, लेकिन वह व्यापार का मामला था, लेकिन तिरुपति प्रसादम में मिलावट का मामला आस्था का है। भूल, अपराध एवं लापरवाही की नब्ज को ठीक-ठीक समझना जरूरी है। भूल सही जा सकती है, लेकिन लापरवाही एवं आपराधिक सोच को सहन नहीं किया जा सकता। दरवाजे पर बैठा पहरेदार भीतर-बाहर आने-जाने वाले लोगों को पहचानने में भूल कर सकता है मगर सपने नहीं देख सकता। लापरवाही एवं अपराधिक मानसिकता विश्वसनीयता एवं पवित्रता को तार-तार कर देती है। बुराइयां जब भी मन पर हावी होती हैं, गलत रास्ते खुलते चले जाते हैं। मन्दिरों पर बुराइयां हावी होना चिन्ताजनक ही नहीं, गंभीर खतरों के संकेत हैं। मन्दिर प्रबंधन को अधिक चुस्त-दुरस्त, पारदर्शी एवं नैतिक बनाने की भी जरूरत है। प्रश्न है कि हिन्दू मन्दिरों में ही ऐसे मामले क्यों सामने आते हैं, क्या मन्दिर प्रबंधन अन्य समुदायों के मन्दिरों या धार्मिक-स्थलों की तरह पवित्र, गुणवत्ता पूर्ण, उच्च चारित्रिक एवं नैतिक देखभाल नहीं कर सकते?

यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था। यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। लेकिन मन्दिर प्रबंधकों एवं प्रसाद निर्माताओं के पापों का क्या हो? बहरहाल, तिरुपति में लड्डुओं का वितरण तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। अशुद्ध मिलावटी आपूर्ति के लिए जिम्मेदार ठेकेदार को काली सूची में डालना और उस पर जुर्माना लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उसे कठोर दण्ड दिया जाना चाहिए। मिलावट विरोधी कानूनों के सबसे कड़े प्रावधान उस पर लागू होने चाहिए और सजा ऐसी मिलनी चाहिए कि मिसाल बन जाए। यह कार्य स्वयं मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सुनिश्चित करना चाहिए। ऐसे संवेदनशील मामलों में राजनीति तो कत्तई नहीं होनी चाहिए, आरोप-प्रत्यारोप से भी बचा जाना चाहिए। भावनाओं से खेलने के बजाय शासकों को शासन- प्रशासन के जरिये सुनिश्चित करना होगा कि शुद्धता-गुणवत्ता केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि तमाम जगहों और उत्पादों में बहाल रहे। दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को नुकसान पहुंचाकर बहुत बड़ा पाप किया गया है।

मन्दिर-व्यवस्थाएं मूल्यहीन और दिशाहीन हो रही है, उनकी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता, अपवित्रता और अविश्वास के चक्रव्यूह में मन्दिर मानो कैद हो गये है। यह तो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है कि प्रसादम के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है, सामान्य जन-जीवन में दूध, घी, मसाले, अनाज, दवाइयां तथा अन्य रोजमर्रा के उपयोग एवं जीवन निर्वाह की शुद्ध वस्तुएं किसी भाग्यशाली को ही मिलती होंगी। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है? इस भ्रष्ट एवं अनैतिकता की आंधी मन्दिरों तक पहुंच गयी है, हमें सोचना चाहिए कि शुद्ध प्रसादम हासिल करना श्रद्धालुओं का मौलिक हक है और यह मन्दिर प्रबंधन के साथ सरकार का फर्ज है कि वह इसे उपलब्ध कराने में बरती जा रही कोताही को सख्ती से ले। मंदिरों में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन केवल संस्कृति से जुड़े नैतिक एवं चरित्रसम्पन्न लोगों को ही सौंपा जाना चाहिए।

आबादी घटाने नहीं, बढ़ाने का समय

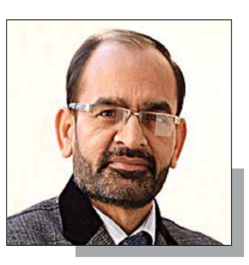

डॉ. अनिल कुमार निगम

अगर किसी राष्ट्र का प्रमुख अपने नागरिकों से कहे कि आप काम के दौरान शारीरिक संबंध बनाएं और बच्चा पैदा करें तो इसका क्या मतलब है। ऐसा रूस के राष्ट्रपति ब्लादमीर पुतिन ने रूसी जनता से कहा। यह वास्तव में मजाक नहीं है। यह अत्यंत गंभीर विषय है, जिस पर एक देश के राष्ट्राध्यक्ष ने चिंता व्यक्त की है। महिलाओं की घटती जन्मदर ने आज भारत सहित अनेक देशों के पेशानी पर बल पैदा कर दिए हैं।

एक समय था जब जनसंख्या विस्फोट देश और समाज के विकास में अवरोधक माना जाता था लेकिन आज जिस तरह महिला जन्मदर कम हो रही है, उससे अनेक देश चिंतित हो गए हैं। विकसित देश रूस, अमेरिका और चीन सहित अनेक इस समस्या का सामना कर रहे हैं। आबादी की रेस में भारत से पिछड़ने वाले चीन ने सिंगल चाइल्ड पॉलिसी पहले ही बदल दी थी, अब तो उसने ज्यादा बच्चा पैदा करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष पैकेज देने का ऐलान भी किया है। आज यह समस्या सिर्फ रूस और चीन की नहीं है बल्कि भारत भी इससे जूझ रहा है। भारत में भी प्रजनन दर दो से भी कम हो गई है और यह दर वर्ष 2050 तक घटकर 1.29 रह जाएगी। अहम सवाल यह है कि अगर भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है तो उसे पर्याप्त श्रमबल की भी आवश्यकता पड़ेगी लेकिन अभी तक जो प्रजनन दर का रुझान है, उसके अनुसार वृद्ध और युवाओं के बीच असंतुलन हो जाएगा। ऐसी स्थिति में क्या भारत का एक विकसित राष्ट्र बनने का सपना पूरा हो सकेगा? अगर प्रजनन दर इसी तरह घटती रही तो इसका दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। रूस के राष्ट्रपति ने अभी हाल ही में कहा कि नागरिक काम के बीच शारीरिक संबंध बनाएं और बच्चे पैदा करें। ऐसा करना इसलिए जरूरी है क्योंकि आबादी पर हमारा भविष्य टिका हुआ है। हालांकि पुतिन ने दिसंबर 2023 में भी घटती जन्म दर को लेकर चिंता जताई थी और रूस की महिलाओं से कहा था कि वे कम से कम 8 बच्चों को जन्म दें। रूसी घरों में बड़े परिवारों की परंपरा शुरू किए जाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1999 के बाद रूस में जन्म दर अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। आबादी के मामले में दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल रूस में 2024 की पहली छमाही में करीब 6 लाख बच्चों का जन्म हुआ। यह पिछले साल की तुलना में 16 हजार कम है।

रूस ने अपने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र करेलिया में मां बनने वाली कॉलेज छात्राओं के लिए विशेष योजनाएं जारी की हैं। इसके तहत स्थानीय कॉलेज और विश्वविद्यालयों में 25 साल से कम उम्र की जो छात्राएं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी, उन्हें करीब 92 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। इससे पहले 2022 में पुतिन ने घोषणा की थी कि वे 10 बच्चे पैदा करने वाली महिलाओं को 'मदर हिरोइन' नाम का अवॉर्ड देंगे। यह अवॉर्ड सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान भी महिलाओं को दिया जाता था। उस समय भी रूस की जनसंख्या तेजी से घट रही थी।

इसी तरह चीन ने जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए 1979 में वन चाइल्ड पॉलिसी लागू की थी। इसमें एक से अधिक बच्चा पैदा करने पर सख्त रोक थी। इससे चीन की आबादी नियंत्रित हुई और आर्थिक तरक्की की रफ्तार भी बढ़ी। लेकिन वन चाइल्ड पॉलिसी के दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं। चीन में बुजुर्गों की तादाद तेजी से बढ़ रही है और श्रमबल लगातार घट रहा है। 1978 के बाद से चीन की औसत वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 9% से ज़्यादा रही है। चीन में स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सेवाओं तक पहुंच में काफ़ी सुधार हुआ है। लेकिन चीन को डर है कि अगर उसकी आबादी ऐसे ही घटती रही तो औद्योगिक श्रम की कमी हो जाएगी। इसीलिए चीन ने एक-बच्चा नीति को खत्म कर दिया और अब जन्म दर बढ़ाने के लिए कई नीतियां लागू की हैं। इनमें माता-पिता के लिए लचीले काम के घंटे, घर से काम करने की सुविधा और पारिवारिक अवकाश शामिल हैं। चीन में बच्चों के लिए नकद सब्सिडी, मातृत्व अवकाश और घर खरीदने के लिए सब्सिडी दी जा रही है। चीन में आईवीएफ जैसे प्रजनन उपचारों के लिए भी भुगतान किया जा रहा है। चीन के नेशनल हेल्थ कमीशन ने उचित उम्र में शादी और बच्चे पैदा करने की वकालत की है।

वहीं, भारत में 2050 में बच्चे पैदा होने की संख्या गिरकर 1.3 करोड़ होने का अनुमान है। वर्ष 1950 में 1.6 करोड़ से अधिक और 2021 में 2.2 करोड़ से अधिक बच्चे पैदा हुए थे। पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की कार्यकारी निदेशक पूनम मुत्तरेजा का कहना है कि भारत के लिए इन निष्कर्षों के गहरे मायने हैं। इसमें बूढ़ी होती आबादी और श्रमबल की कमी जैसी चुनौतियां शामिल हैं। लैंगिक प्राथमिकताओं के कारण सामाजिक असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। हालांकि ये चुनौतियां कुछ दशक दूर हैं। लेकिन, हमें भविष्य के लिए अभी से कार्यवाही शुरू करने की जरूरत है।

अगर इसी तरह आबादी कम होती रही तो भारत को भी आबादी कम होने से कई तरह की चुनौतियां ये जूझना पड़ेगा। जानकारों का मानना है कि विकसित राष्ट्र बनने में कम होती आबादी बड़ा अवरोधक बन सकती है। इसके चलते युवा उद्यमियों और कामगारों की संख्या कम हो जाती है, जिससे रोज़गार के अवसर कम होंगे। बुजुर्गों की संख्या बढ़ने पर उनके लिए रिटायरमेंट फ़ंड और दूसरी योजनाएं चलानी पड़ेंगी। इससे सरकारी खज़ाने पर सीधा असर पड़ेगा। इसके अलावा महंगाई बढ़ेगी, सुविधाओं की कमी होगी और नवाचार पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि भारत सरकार इस समस्या को लेकर गंभीरता से मंथन करे और ऐसी जनसंख्या नीति और उसे लागू करने के लिए समुचित रणनीति बनाए ताकि महिला जन्मदर दो तक बनी रही।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बुलडोजर अपराधियों में भय पैदा करता है मी-लार्ड

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल एक बार फिर शर्मसार है। यहां एक निजी स्कूल में एक साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। बलात्कार करने वाला स्कूल में आईटी विषय पढ़ाने वाला शिक्षक कासिम रहमान है। घटना तब सामने आई, जब मासूम के माता-पिता ने पीड़िता का मेडिकल कराया और रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि हुई। अब बात यह है कि जैसे पहले अपराधी के घर के अवैध निर्माण पर बुलडोजर कार्रवाई हो जाया करती थी, क्या वह अब हो पाएगी? क्योंकि माननीय सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि विभिन्न राज्य सरकारें बुलडोजर चलाकर अन्याय कर रही थीं।

न्यायालय और माननीय न्यायाधीशों की आलोचना का अधिकार किसी को नहीं है। पर किसी भी निर्णय या निर्देश की समीक्षा तो की ही जा सकती है। इस परिदृश्य के थोड़ा पीछे चलते हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हो रही बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने हाल ही में बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष सॉलिसिटर तुषार मेहता ने कहा भी कि बुलडोजर की कार्रवाई जहां हुई है, वो कानूनी प्रकिया का पालन करके हुई है। अवैध निर्माण पर नोटिस के बाद ही बुलडोजर चल रहे हैं। एक समुदाय विशेष को टारगेट करने का आरोप गलत है। एक तरह से गलत प्रचार है, गलत धारणा (नैरेटिव) फैलायी जा रही है। इस पर जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि सड़कों, गलियों, फुटपाथ या सार्वजनिक जगहों पर किए अवैध निर्माण को समुचित प्रक्रिया के साथ ढहाने की छूट रहेगी। इसके अतिरिक्त पर पूरी तरह से रोक है।

जस्टिस गवई का कहना था कि हम किसी नैरेटिव (धारणा) से प्रभावित नहीं हो रहे हैं। जरूरत है कि डिमोलिशन की प्रकिया स्ट्रीमलाइन हो, फिर जस्टिस विश्वनाथन का ये दावा रहा कि कोर्ट के बाहर जो बातें हो रही हैं, वो हमें प्रभावित नहीं करती। अगर गैरकानूनी डिमोलिशन का एक भी मसला है तो वो संविधान की भावना के खिलाफ है। दोनों जजों के आए जवाब सुनकर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बहुत तरीके से कहा भी कि संवैधानिक संस्थाओं के हाथ इस तरह नहीं बांधे जा सकते हैं। न्यायालय की इस बेंच ने कहा- अगर कार्रवाई दो हफ्ते रोक दी तो आसमान नहीं फट पड़ेगा। आप इसे रोक दीजिए, 15 दिन में क्या होगा? सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले भी बुल्डोजर जस्टिस पर सवाल खड़े किए थे। गुजरात से जुड़े इस प्रकरण में जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा, किसी शख्स के किसी केस में महज आरोपी होने के चलते उसके घर पर बुलडोजर नहीं चलाया जा सकता। आरोपी का दोष बनता है या नहीं, ये तय करना कोर्ट का काम है सरकार का नहीं। जज कह रहे हैं कि किसी का बेटा आरोपी हो सकता है, लेकिन इस आधार पर पिता का घर गिरा देना, ये कार्रवाई का सही तरीका नहीं है। कोर्ट इस तरह की बुलडोजर कार्रवाई को नजरंदाज नहीं कर सकता। ऐसी कार्रवाई को होने देना कानून के शासन पर ही बुलडोजर चलाने जैसा होगा। अपराध में कथित संलिप्तता किसी संपत्ति को ध्वस्त करने का आधार

नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने ये आदेश गुजरात के जावेद अली नाम के याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया था।

बात सही है। सप्ताह-दो सप्ताह अगर किसी अपराधी के अवैध निर्माण पर बुलडोजर नहीं चलेगा तो आसमान नहीं फट पड़ेगा। वैसे तो देश भर में जहां तहां अवैध निर्माण हैं। बल्कि अवैध निर्माणों की बाढ़ सी आई हुई है। कायदे से सब पर आज नहीं तो कल कार्रवाई होनी ही है या होनी ही चाहिए। पर यहां यह भी समझना होगा कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले या फिर अपनी ही जमीन पर अवैध तरीके से मकान बनाने वालों की मनोवृत्ति क्या होती है। उन्हें पहले से ही कानून का डर नहीं होता। और ऐसे लोग जब घृणित अपराधों में भी शामिल हो जाएं तब क्या हो। कानून का डर दिखाने के लिए, कानून का राज स्थापित करने के लिए अपराधियों में भय कैसे पैदा हो। न्यायालय की प्रक्रियाओं और उससे मिल रहे न्याय से तो अपराधी मनोवृत्ति को कोई अंतर पड़ ही नहीं रहा था। ऐसे में शासन-प्रशासन ने पहले से ही अवैध निर्माण में रहने वाले अपराधी तत्वों के बीच एक भय तो पैदा किया ही था, कि अगर किसी गंभीर अपराध में, खासकर स्त्री के मान अपमान और देश के सम्मान से खिलवाड़ करोगे तो उसका दण्ड तत्काल मिल जाएगा, तुम्हें ही नहीं तुम्हारे पूरे परिवार को भी। इस भय से कम से कम परिवार के बड़े-बुजुर्ग अपनी बिगड़ी औलादों पर लगाम तो कस रहे थे। इस डर से अपराध कुछ कम हो रहे थे और अदालतों का बोझ भी कम हो रहा था।

वस्तुतः जमीयत-ए-उलेमा-ए-हिंद द्वारा छतरपुर पुलिस मुख्यालय पर हुई इस्लामिक भीड़ की तोड़फोड़ के बाद मुख्य सरगना पर हुए पुलिस एक्शन के विरोध में यह कहकर कि मुसलमानों पर अत्याचार हो रहे हैं, न्यायालय की शरण ली गई थी। उसका इंट्रेस्ट सिर्फ उन मामलों में था जोकि मुसलमानों से जुड़े हैं, जबकि यह पूरा सत्य नहीं। देश में जितनी बुलडोजर कार्रवाइयां हुई हैं, उसमें से अधिकांश बहुसंख्यक हिन्दू समाज के अपराधियों पर ही की गई हैं, किंतु फिर भी उस वक्त जिस तरह का माहौल बनाने का विविध मीडिया प्लेटफार्म पर प्रयास हुआ, वह भी प्रमाण है कि कैसे इसे ट्रेंड कराने का प्रयास किया गया। बार बार यह सिद्ध करने की कोशिश रही है कि मुसलमानों पर भाजपा की जहां भी सरकारें हैं वे टार्गेटेड उन्हें अपमानित कर रही हैं। लोग जल्दी ही भूल जाते हैं कि मध्य प्रदेश में ही एक दलित समाज के युवक के ऊपर मूत्र विसर्जन करने वाले के घर पर अगले ही दिन बुलडोजर चल गया था, जबकि यह दुष्कृत्य करने वाला भारतीय जनता पार्टी का ही नेता-कार्यकर्ता बताया जा रहा था और उसके पिता भी भाजपा के ही समर्थक थे।

जहां तक न्यायालयों के रास्ते न्याय पाने की बात है तो देश भर में नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड की रिपोर्ट के अनुसार कुल 25 हाईकोर्ट में 58 लाख 59 हजार केस पेंडिंग हैं। इनमें से करीब 42 लाख केस सिविल और 16 लाख केस क्रिमिनल नेचर के हैं। इन 58 लाख में से 62 हजार मामले 30 साल से लंबित हैं। वहीं, तीन केस 72 साल से चल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के सभी न्यायालयों (सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, डिस्ट्रिक्ट समेत अन्य कोर्ट) में पांच करोड़ से ज्यादा मामले लंबित हैं। सभी राज्यों के लोअर कोर्ट्स में कुल 4.34 करोड़ केस लंबित हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश 1.09 करोड़ में पेंडिंग हैं, इसके बाद दूसरा स्थान महाराष्ट्र का है, जहां 49.34 लाख केस पेंडिंग हैं। आंकड़े बताते हैं कि निचली अदालतों में पेंडिंग 70 हजार 587 क्रिमिनल केस 30 साल से ज्यादा पुराने हैं। वहीं, 36 हजार 223 सिविल केस 30 साल से ज्यादा वक्त से पेंडिंग हैं।

इस पेंडिंग यानी लंबित मामलों में न्याय कब मिलेगा और यह पेंडिंग लिस्ट कब खत्म होगी, भगवान भी नहीं बता सकते। एक कहावत यह भी है कि देरी से दिया गया न्याय, न्याय नही कहलाता। न्यायालयों में पेंडिंग मामलों को देखते हुए इस कहावत की कसौटी पर कसें तो फिर न्याय कहां हो रहा है। कहा यह भी जाता है कि न्याय होना ही नहीं चाहिए, न्याय दिखना भी चाहिए। मामलों के बोझ तले न्यायालयों से निकलकर न्याय लोगों के मन में कानून का डर पैदा कर सकेगा और न्याय होता दिखने भी लगेगा, यह कहना अतिशयोक्ति ही होगी। तब कम से कम गंभीरतम और घृणित अपराध करने वालों के अवैध घर पर बुलडोजर चलने से पीड़ित पक्ष को यह तो लग ही रहा था कि न्याय हो गया। निश्चित तौर पर न्याय देने के लिए न्यायालय हैं और सबका अंतिम न्याय तो वो ऊपर वाला ही करता है। पर अपराधी मनोवृत्ति पर लगाम लगाने, उनके मन में भय पैदा करने के लिए ही तो पुलिस और प्रशासन भी है। यह पुलिस और प्रशासन यदि तत्काल कुछ कार्रवाई कर एक संदेश देना चाहता है तो इसमें गलत क्या है। हां, उनके द्वारा की गई कार्रवाई अवैध हो, अर्थात जहां बुलडोजर चला वह पूरी तरह कानूनी प्रक्रियाओं का पालन कर बना घर-मकान-दुकान हो, तब कार्रवाई करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को दंडित करने के लिए भी तो न्यायालय ही हैं।

राज्य को वैश्विक औद्योगिक हब बनाने के लिए सरकार प्रयासरत: उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

भीलवाड़ा, 21 सितंबर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को नगर निगम सभागार में आयोजित लघु उद्योग भारती के राजस्थान प्रदेश क्षेत्रीय सम्मेलन में उद्यमियों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा विकसित राजस्थान के लक्ष्य को लेकर काम कर रहे है। जिस गति से राज्य सरकार कार्य कर रही है, वह दिन दूर नहीं जब राजस्थान न केवल इस देश का बल्कि पूरे विश्व का एक ग्लोबल इंडस्ट्रियल हब बनेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार प्रयास कर रही है कि राज्य में ज्यादा से ज्यादा निवेश आए और विशेषकर भीलवाड़ा में क्योंकि भीलवाड़ा टेक्सटाइल हब है।

उन्होंने कहा कि खुशी की बात है इस बार बजट में भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क की भी घोषणा हुई है, इसके लिए उन्होंने बधाई दी। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल पार्क का भूमि आवंटन का काम भी हो चुका है, बहुत जल्दी एक अच्छा टेक्सटाइल पार्क बनेगा, ज्यादा से ज्यादा इंडस्ट्रीज विशेषकर मैन्युफैक्चरिंग भीलवाड़ा में होगी और राज्य में निवेश का वातावरण बन रहा है। उपमुख्यमंत्री ने राजस्थान में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि सभी उद्यमी इसमें भाग लें और सभी साथ मिलकर एक प्रयास करें कि ज्यादा से ज्यादा इंडस्ट्रीज राजस्थान आए। राजस्थान में इन्वेस्ट करने के लिए छोटी से लेकर बड़ी औद्योगिक इकाइयां अपनी यूनिट राजस्थान में ही स्थापित करें। उन्होंने कहा कि राज्य टूरिज्म, एग्रीकल्चर के जैसे ही वर्ल्डमेप पर आए। इसके लिए सभी को सामूहिक प्रयास करना होगा। राजस्थान में ज्यादा से ज्यादा इन्वेस्टमेंट से लोगों को रोजगार के अवसर मिलें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सूक्ष्म एवं लघु औद्योगिक इकाईयों में महिलाएं जुड़ी होती हैं। इन औद्योगिक इकाइयों के विकास से महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनेंगी। राज्य के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और हमारे मजबूत राजस्थान बढ़ने की ओर कदम बढ़ेंगें।

संक्षिप्त समाचार

नदबई आगमन पर भरतपुर सांसद संजना जाटव का सम्मान समारोह कार्यक्रम आज

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह) लोकसभा भरतपुर सांसद संजना जाटव पहली बार नदबई विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नाम, गुदावली की पावन धरा आगमन पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम समारोह आज 22 सितंबर 2024 को कुंवर भूपेंद्र फौजदार पंचायत समिति सदस्य एवं समस्त जनता जनार्दन ग्राम पंचायत नाम गुदावली के सौजन्य से ग्राम नाम में सांसद संजना जाटव का सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर राष्ट्रीय लोक गायक कृष्णा गुर्जर एण्ड पार्टी सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे। ये जानकारी गिरीश जौहरी राजस्थान कांग्रेस प्रदेश सचिव ने दी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू का किया पुतला दहन

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)। लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी को आतंकवादी कहने वाले भाजपा के रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने उपखंड कार्यालय के मुख्य द्वार पर पुतला दहन किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरस्वरूप शर्मा ने कहा कि रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा जो अनर्गल बयान दिया गया है इसकी कांग्रेस पार्टी घोर निंदा करती है इस तरह के बयानबाजी पर प्रधानमंत्री को प्रसंज्ञान लेना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र में ऐसी भाषा का कोई स्थान नहीं है प्रधानमंत्री को इस प्रकार के अनर्गल बयान देने वाले मंत्री से तुरंत प्रभाव से इस्तीफा लेना चाहिए। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सचिव प्रशांत उपाध्याय ने कहा कि रवनीत सिंह बिट्टू को जो राजस्थान से राज्यसभा सांसद होने के नाते आने वाले दिनों में राजस्थान आगमन पर पुरजोर तरीके से विरोध किया जाएगा।जो कि उनकी बयान बाजी से इनकी नैतिकता का गंधापन झलकता है। कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत पर रवनीतसिंह बिट्टू के बयान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर प्रभाव चौधरी अध्यक्ष यूथ कांग्रेस नदबई, अनुभव शर्मा यूथ कांग्रेस शहर अध्यक्ष, गिरीश जोहरी राजस्थान प्रदेश सचिव, लाखन गुर्जर करौली, मदन विहारिया, दिलीप बहरामदा, नारायण सिंह, समयसिंह रायसीस सहित सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपनिदेशक आईसीडीएस ने परियोजना नदबई, बयाना, वैर के आंगनबाडी केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

चमकता राजस्थान। भरतपुर,(राजवीर सिंह) उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग राजेश कुमार द्रारा परियोजना नदबई, बयाना, वैर के आंगनबाडी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया जिसके दौरान परियोजना नदबई के आंगनबाडी केन्द्रों डहरा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय नियत समय पर बंद पाए गए` परियोजना बयाना के बरखेडा प्रथम, द्वितीय आंगनबाडी केन्द्र भी बंद पाए गए एवं परियोजना वैर के आंगनबाडी केन्द्र नया बरखेडा, ऊनापुर एवं जीबद संचालित पाए गए। उपनिदेशक द्वारा निरीक्षण के दौरान मानदेय कर्मियों को केंद्र पर साफ सफाई, रख रखाव एवं यूनिफार्म में उपस्थित रहने हेतू निर्देशित किया गया` उन्होंने बताया कि बंद पाए गए केन्द्रों के संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही अम्ल में लाई जाएगी।

रेल प्रशासन द्वारा सूचना धौलपुर स्टेशन पर ऑटोमेटिक सिगनलिंग, यार्ड रीमॉडलिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का कार्य किया जा रहा है कउक्त कार्य के चलते निम्नलिखित गाड़ियों के सञ्चालन में निम्नानुसार परिवर्तन :

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। धौलपुर रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्य हो रहा है! इसलिए रेल प्रशासन द्वारा सूचना है! कि धौलपुर स्टेशन पर ऑटोमेटिक सिंगलन का कार्य किया जा रहा है! उक्त कार्य के चलते निम्न गाड़ियों के संचालन में परिवर्तन

» गाड़ी संख्या 11808 आगरा कैंट–वीरांगाना लक्ष्मीबाई झांसी एक्सप्रेस दिनांक 30.09.2024 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से रद्द रहेगी।

» गाड़ी संख्या 11807 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–आगरा दिनांक 30.09.2024 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से रद्द रहेगी।

» गाड़ी संख्या 12279 / 12280 यात्रा आरंभ तिथि दिनांक 30. 09.24 को आगरा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट और शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी अतः यह गाड़ी आगरा से झांसी के मध्य रद्द रहेगी।

» गाड़ी संख्या 19666 उदयपुर–खजुराहो इंटरसिटी एक्सप्रेस यात्रा तिथि 29.09.2024 को आगरा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी, आगरा से खजुराहो के मध्य रद्द रहेगी! इसी क्रम में निम्नलिखित गाड़ियां धौलपुर स्टेशन पर निम्न अनुसार रेगुलेट की जाएंगे :

» गाड़ी संख्या 22126 अमृतसर–नागपुर एक्सप्रेस दिनांक 23.09.24 को 30 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

» गाड़ी संख्या 11078 जम्मू तवी पुणे झेलम एक्सप्रेस दिनांक 30. 09 .24 को 65 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

» गाड़ी संख्या 20848 एमसीटीएम–दुर्ग दिनांक 27.09.24 को 40 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

» गाड़ी संख्या 18478 योग नगरी ऋषिकेश–पुरी उत्कल एक्सप्रेस दिनांक 30.09.24 को 55 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी ।

» गाड़ी संख्या 12645 एर्नाकुलम–निजामुद्दीन एक्सप्रेस दिनांक 30.09.24 को 65 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

» गाड़ी संख्या 18237 कोरबा अमृतसर एक्सप्रेस दिनांक 30.09.24 को 55 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

» गाड़ी संख्या 12807 विशाखापट्टनम निजामुद्दीन दिनांक 30.09.24 को 65 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

» गाड़ी संख्या 12651 मदुरई–निजामुद्दीन एक्सप्रेस दिनांक 30.09.24 को 65 मिनट धौलपुर स्टेशन पर रेगुलेट की जाएगी।

» गाड़ी संख्या 22126 अमृतसर–नागपुर एक्सप्रेस सेक्शन में 50 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी।

नेट थिएट पर नाटक गूंगे

समाज में व्याप्त गूंगेपन को बयां करती गूंगे

चमकता राजस्थान। जयपुर । नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज नाद सोसायटी के रंग मंडल की ओर से रागेय राघव की कहानी पर आधारित नाटक गूंगे का सशक्त मंचन किया । इसका निर्देशन रंगकर्मी अनिल मारवाड़ी ने किया।

नेट थिएट की राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि नाटक के मुख्य पात्र मनोज स्वामी ने अपने अभिनय से विभिन्न पात्रों को जिया उन्होंने समाज में व्याप्त गूंगेपन को अपने अभिनय से दर्शा कर सभी को भावुक कर दिया । गूंगे की भूमिका में वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने अपने पात्र के साथ न्याय किया और अपने अभिनय से दर्शकों को झकझोर दिया ।

● **कथासार**

कहानी का मूल भाव है कि समाज में आज हर कोई गूंगा है.... कहानी का पात्र तो शारीरिक कमी के कारण गूंगा है जबकि आज के संदर्भ में देखें तो चारों और गूंगापन पसरा हुआ है. कहानी में गूंगा पात्र स्वाभिमान और मेहनत का प्रतीक है. यह एक मार्मिक और प्रेरणादायक कहानी है। जिसके माध्यम से लेखक ने यह सन्देश देने की कोशिश की है कि भले ही जीवन में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आ जाएं, मनुष्य को कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और हमेशा मेहनत और ईमानदारी के सहारे जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। कहानी एक गूँगे लड़के की है जिसमें शोषित एवं पीड़ित मानव की असहाय स्थिति का मार्मिक चित्रण किया गया है। गूँगे में ऐसी तड़पन है जो पाठक के हृदय को झकझोर देती है।

गूँगा बालक एक अनाथ बालक है जो सभी का दया का पात्र है। वह जन्म से बहरा होने के कारण गूँगा है। वह सुख-दुख जो कुछ भी अनुभव करता है, उसे इशारों के माध्यम से प्रकट करता है। जिनके हृदय की प्रतिहिंसा न्याय और अन्याय को परखकर भी अत्याचार को चुनौती नहीं दे सकते, क्योंक बोलने के लिए स्वर होकर भी स्वर में अर्थ नहीं है, क्योंकि वे असमर्थ हैं।

कार्यक्रम में खुशखरीद के देवेंद्र सिंघवी की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए ।

कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, प्रकाश विनोद सागर गढ़वाल, सेट मीहिजा शर्मा,कवितेश शर्मा,कैमरा जीवितेश शर्मा और संगीत अंकित शर्मा नोनू का रहा ।

जयपुर के डॉक्टर्स के नि:शुल्क मेडिकल शिविर में 1500 मरीज लाभान्वित

डॉक्टर्स के लिए आजादी का महत्त्व है! दीन -हीन की सेवा करना : डॉ. रामकेश सिंह परमार

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण)। सैपऊ उपखण्ड के तसीमों गांव में शहीद छत्तर सिंह पंचम सिंह सेवा समिति तसीमों द्वारा फौजी गार्डन तसीमों में डॉ. रामकेश सिंह परमार गोल्डमेडलिस्ट प्रोफेसर मेडिसिन जयपुर एवं डॉ. पंकज सिंह फाउंडेशन के नेतृत्व में राजधानी जयपुर के, दिल्ली एआईएमस, पीजीआई चंडीगढ़ और एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर से प्रशिक्षित डॉक्टर्स की टीम के द्वारा फ़ौजी गार्डन तसीमों में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच चिकित्सा परामर्श और दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पधारे जयपुर से आए डॉक्टर्स को राजौरा टोल पर रिसीव कर स्वागत कर रैली के साथ कार्यक्रम स्थल तसीमों पहुंचे।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भीम सिंह बीका सेवानिवृत्त आईपीएस, सुदर्शन सिंह तौमर, बसेड़ी पूर्व विधायक रानी कोली, राजपूत समाज धौलपुर के जिलाध्यक्ष भगीरथ सिंह सिकरवार, उपाध्यक्ष निरोत्तम सिंह परमार, कार्यालय प्रभारी लखन सिंह परिहार, महावीर सिंह सिकरवार, फूल सिंह धाकरे आदि रहे। कार्यक्रम में सभी डॉक्टर्स और अतिथियों को साफा, माला, बैज व पटका पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। वहीं महिला डॉक्टर्स को तसीमों सरपंच नीलम परमार द्वारा बुके देकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। जिसके बाद सभी अतिथि पुष्प चक्र लेकर शहीद स्मारक पहुंचकर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया।

कार्यक्रम में जयपुर से 11 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा हार्ट, डायबिटीज, एलर्जी, चर्म रोग, यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, जॉइंट रि प्लेसमेंट,कार्डियोलॉजी, ऑर्थो, ईएनटी ऑप्थो, लंगस लिवर, किडनी, ब्रेन, सर्जरी, महिला रोग आदि रोगों की निःशुल्क जांच, परामर्श व दवाइयां वितरित की गई। सभी डॉक्टर्स द्वारा लगभग 1500 मरीजों ने निःशुल्क शिविर का लाभ उठाया। कार्यक्रम का संचालन कवि श्यामवीर सिंह परमार द्वारा किया गया !कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. रामकेश सिंह परमार ने कहा कि देश को आजाद कराने के लिए शहीद छत्तर सिंह परमार और पंचम सिंह कुशवाह देश और तिरंगे के लिए शहीद हो गए! और अब हमारी बारी है! कि देश को बीमारियों से मुक्त कराए, डॉक्टर्स के लिए आजादी का महत्त्व है! दीन हीन की सेवा करना। वहीं निम्स यूनिवर्सिटी के निदेशक न्यूरोसर्जन डॉ. पंकज सिंह ने कहा धौलपुर जिले के एक छोटे से गांव के युवा डॉ. रामकेश सिंह परमार ने अपनी शिक्षा के दम पर इतना बड़ा नाम बनाया है, और देश की सेवा कर रहे है, मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि आप अपने बच्चों को शिक्षा और संस्कार दीजिए, इसके बल पर वो कुछ भी पा सकते है, उन्हें और कुछ देने की आवशयकता नहीं है।

इस मौके पर शहीद समिति अध्यक्ष मांगीलाल मित्तल, सरपंच प्रतिनिधि रामौतार फौजी, सचिव बलवीर सिंह, उपाध्यक्ष रामनरेश शर्मा, राधेश्याम परमार, मीडिया प्रमुख विवेक मित्तल, डिंपल परमार, हरेंद्र सिंह परमार, रामवीर कुशवाह, संजीव दिवाकर आदि सहित सैकड़ों ग्रामवासी मौजूद रहे।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद् अधिवेशन एवं नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह का हुआ है भव्य आयोजन

मानवीय संवेदनाओं के साथ जनता की अपेक्षाओं को करें पूरा अग्रणी राजस्थान के लिए अधिकारियों की जवाबदेही जरूरी : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 21 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन की सेवा में प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए प्रभावी प्रशासन की आवश्यकता होती है। हम सभी को मिलकर एक सशक्त और अग्रणी राजस्थान की दिशा में आगे बढ़ना है और इसके लिए अधिकारियों का जवाबदेह होना बहुत जरूरी है। कार्यों के प्रति उत्तरदायी होने से हमें प्रेरणा मिलती और हमारे काम की गुणवत्ता में भी सुधार आता है। शर्मा शनिवार को राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद् के अधिवेशन एवं नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी इस सेवा को एक नई ऊर्जा और सकारात्मक दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए अपने अनुभवों को साझा करने, नए विचारों का आदान-प्रदान करने एवं नए प्रशासनिक प्रयासों को दिशा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

हमारी सरकार में नहीं अधिकारियों के प्रति पूर्वाग्रह, पूर्ववर्ती सरकार ने लिए अविवेकपूर्ण निर्णयमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन सरकार और जनता को जोड़ने वाली अहम कड़ी है। लोकसेवकों के साथ जुड़ाव एवं विश्वास होने से आमजन अभाव में उनके पास आते हैं। इसलिए प्रशासनिक कार्यों में कुशलता एवं मानवीय संवेदनाओं के साथ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें। हमारी सरकार में बिना किसी पूर्वाग्रह एवं भेदभाव के अधिकारियों के मूल्यांकन का आधार सिर्फ काम के प्रति समर्पण, जनता के प्रति जवाबदेही एवं ईमानदारी है। ईश्वर ने हमें जनता की सेवा का मौका दिया है इसलिए जनकल्याण के लिए हर परिस्थिति में आगे रहें। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने अविवेकपूर्णता के साथ अनावश्यक रूप से बिना संसाधनों के प्रशासनिक इकाइयों की स्थापना के निर्णय लिए। शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में नीतियों और योजनाओं को लागू करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों में उपखण्ड व अतिरिक्त जिला कलक्टर स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में दौरे कर पुराने प्रकरणों का निस्तारण करने की दिशा में पहल करनी चाहिए।

राज्य सरकार का पहला साल बिजली और पानी के लिए समर्पित

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर राज्य के विकास के लिए बिजली और पानी मूलभूत आवश्यकता है इसलिए राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल का पहला वर्ष बिजली और पानी के लिए समर्पित किया है। बिजली और पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होंगे तो राज्य में कृषि और उद्योगों का विकास होगा। उन्होंने कहा कि राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार ने लगभग 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपए के एमओयू किए हैं। आने वाले समय में राजस्थान बिजली के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनेगा। साथ ही, पानी की आवश्यकता की पूर्ति के लिए ईआरसीपी, यमुना जल समझौता और देवास परियोजना से संबंधित महत्वपूर्ण समझौतों और निर्णयों को मूर्त रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित राजस्थान से बनेगा विकसित भारतमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में विकसित राजस्थान भी एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है। विकसित राजस्थान से ही विकसित भारत बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिनरल्स, पर्यटन तथा ऑटो मोबाइल सहित कई क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार इन क्षेत्रों में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है। इसी दिशा में 9 से 11 दिसम्बर तक राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया जाएगा।

- **अधिकारियों का समर्पण, जवाबदेही एवं ईमानदारी उनके मूल्यांकन का आधार**
- **प्रशासन सरकार और आमजन को जोड़ने वाली कड़ी एवं समस्याओं के समाधान का अहम पड़ाव**

इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी श्रीमती प्रियंका बिश्नोई के निधन पर संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले शर्मा ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों को सम्मानित किया। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार के लोक कल्याणकारी लक्ष्यों को पूरा करने में प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, जो जन नेता और जनता के बीच कड़ी का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास की मूल भावना के साथ कार्मिकों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम में राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद् के नव नियुक्त अध्यक्ष महावीर खराड़ी, निवर्तमान अध्यक्ष गौरव बजाड़, नव गठित कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण एवं परिषद् के सदस्यों के रूप में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं पूर्व अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रेम मंदिर संस्थान के 15 वर्ष, राजीव अरोड़ा रहे मुख्य अतिथि

चमकता राजस्थान/जयपुर। जयपुर स्थित प्रेम मंदिर संस्थान के 15वें वार्षिक समारोह का आयोजन रविंद्र मंच पर किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ कांग्रेस नेता समाजसेवी और व्यापारी राजीव अरोड़ा शामिल हुए।

सेवा और सरोकार की भावना के साथ 15 वर्ष पहले शुरू किए गए इस संस्थान के माध्यम से अब तक सैकड़ो अभावग्रस्त और वंचित बालकों की परवरिश की गई तथा उन्हें आगे बढ़ाया गया है।

संस्थान की 15वीं वर्षगांठ पर इसके प्रारंभ से इसके साथ जुड़े राजीव अरोड़ा ने इस अवसर पर कहा कि जयपुर के कचरा बीनने वाले, भिक्षावृत्ति में लिप्त बालको को इस संस्थान के माध्यम से सक्षम बनाया गया है। अरोड़ा ने बताया कि पिछले 15 वर्षों में इस संस्थान से निकलकर आज कई बालक अपने जीवन में उत्कृष्ट कर रहे हैं।

संस्थान को शुभकामनाएं देते हुए अरोड़ा ने कहा कि सामाजिक जीवन में सेवा, परोपकार और समर्पण से बड़ा कोई मूल्य नहीं है। इन मूल्यों को अपनाकर जीवन जिया जाए, तो इससे बेहतर कुछ नहीं।

इस अवसर पर राजीव अरोड़ा ने आगामी 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर जयपुर में टाइम बैंक द्वारा आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन भी किया।

अल्जाइमर रोग के उपचार में संतुलित जीवनशैली नियमित योग प्राणायाम अति लाभकारी

चमकता राजस्थान। बूंदी (राजकुमार राठौड)बूंदी- जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में खेल संकुल में संचालित योग फोर निरोगी बूंदी स्वास्थ्य महाभियान के तहत 7 दिवसीय योग चिकित्सा के तीसरे दिन विश्व अल्जाइमर दिवस के अवसर पर आज सामान्य योगाभ्यास के अलावा अल्जाइमर रोग में लाभकारी सूर्य-नमस्कार,कपालभाति,अनुलोम-विलोम, चंद्रभेदी सूर्यभेदी,नाड़ी शोधन योग प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।इस अवसर पर महाभियान के समन्वयक जिला आयुर्वेद चिकित्सालय बूंदी के पीएमओ डॉ सुनील कुशवाह ने बताया कि अल्जाइमर सामान्यतः बुजुर्गों में होने वाला एक न्यूरोलोजिकल डिसआर्डर है, जिसमें दिमाग की तंत्रिका कोशिकाओं तेज गति से नष्ट होने लगती है, जिससे रोगी की शारीरिक, मानसिक अवस्था काफी खराब हो जाती है, जिससे रोगी की याददाश्त काफी कम हो जाती है निर्णय लेने की क्षमता भी काफी कम हो जाती है तथा उसे रोजमर्रा के कामों में भी बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।वर्तमान में भागदौड़ भरी जिंदगी में असंयमित जीवनशैली से यह रोग बढ़ रहा है,देशभर में अभी 50 लाख से अधिक लोग इस रोग से पीड़ित है, जिसमें से 50% से अधिक रोगियों को सही इलाज नहीं मिल पाता है। संतुलित जीवनशैली & नियमित योग प्राणायाम के अभ्यास से इस रोग के खतरे को 70% तक कम किया जा सकता है।इस अवसर पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश माली, डॉ अक्षय गौतम, योग प्रशिक्षक विशाल गुर्जर - शिखर पंचोली ने भी योगाभ्यास कराया।

शहीद रामकिशोर का पार्थिव शरीर पंचतत्व मे हुआ विलीन, सैनिक सम्मान के साथ नम ऑखो से दी विदाई

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 21 सितम्बर। जम्मू कश्मीर में ऑपरेशन जीवन रक्षक के दौरान शहीद हुए सिपाही रामकिशोर का शनिवार को धोलपुर जिले के उनके पैतृक गांव दूल्हेराय का घेर में पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। केन्द्र सरकार के केन्द्रीय राज्य मंत्री एस पी सिंह बघेल, राज्य मंत्री गृह एवं प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, अध्यक्ष राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति प्रेमसिंह बाजौर ने शहीद के घर पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया।भारत माता की जय और शहीद रामकिशोर अमर रहे के नारों के बीच दूर-दराज से आए हजारों लोगों ने अपने लाडले शहीद को अंतिम विदाई दी। केन्द्रीय राज्य मंत्री एस पी सिंह बघेल, राज्य मंत्री एवं प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, अध्यक्ष राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति प्रेमसिंह बाजौर ने तिरंगा लिपटे शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित किए और श्रद्धाजंलि दी। उन्होंने शहीद के पिता महावीर सिंह, धर्मपत्नी पूजा और उनके परिजनों को ढांढस बंधाया। केन्द्रीय राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने कहा कि इतनी कम उम्र में परिवार का सदस्य का दुनिया से चले जाना किसी भी परिवार के लिए बहुत दुख का विषय है, लेकिन उन्होंने देश के लिए शहादत देकर परिवार के साथ ही पूरे प्रदेश का सिर गर्व से ऊंचा किया है। राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि हमें अपने वीर शहीद के सर्वोच्च बलिदान पर गर्व है। राज्य सरकार एवं प्रशासन दुःख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने शहीद की अंत्येष्टि से पूर्व पार्थिव शरीर को कंधा दिया। तिरंगा लिपटे शहीद के पार्थिव शरीर को सैनिकों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रशासनिक, पुलिस, सैन्य अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, आमजन ने पुष्प अर्पित किए।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कार्य में लापरवाही करने पर तीन कार्मिकों को निलंबित करने के निर्देश दिये

- **जनसुनवाई में 390 से अधिक परिवाद आए, ऊर्जा मंत्री ने दिए समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश**

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 21 सितंबर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने शनिवार को कोटा जिले के सांगोद में आयोजित जनसुनवाई के दौरान कार्य में लापरवाही की शिकायत मिलने पर तीन कार्मिकों को निलंबित करने के निर्देश दिए।ऊर्जा मंत्री की जनसुनवाई में 390 से अधिक परिवाद प्राप्त हुए। नागर ने प्राप्त परिवादों के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। ग्रामीणों ने उज्ज्वला योजना के तहत 5 किलो क्षमता के सिलेंडर के स्थान पर और अधिक क्षमता का सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए ऊर्जा मंत्री ने एचपीसीएल के सेल्स मैनेजर से बात की। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर इस समस्या के समाधान के लिए केन्द्रीय स्तर पर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।जनसुनवाई में कई ग्रामीणों ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दुर्व्यवहार और काम न करने की शिकायत की। इस पर ऊर्जा मंत्री ने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर सांगोद एसडीओ कार्यालय में कार्यरत सूचना सहायक संदीप नागर, जूनियर असिस्टेंट सुदर्शन राजावत एवं तहसील सांगोद कार्यालय के जूनियर क्लर्क विशाल गोचर को निलंबित करने के निर्देश दिए। नागर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमजन के साथ अच्छा व्यवहार करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि अपनी समस्याओं को लेकर सरकारी दफ्तर आने वाले लोगों के साथ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है।इस अवसर पर विभागों के जिला स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान तहत स्वच्छता लक्षित ईकाईयों से कचरे का किया गया निस्तारण

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर फील्ड में उतरे अधिकारी

शनिवार को अधिकारियों ने छात्रावासों का किया निरीक्षण, जल भराव से प्रभावित खेतों का भी लिया जायजा

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 21 सितंबर। गुरुवार को हुई जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों की सुनवाई के बाद जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने शनिवार को फील्ड में मोर्चा संभाला। उपखण्ड अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों एवं तहसीलदार सहित अन्य उच्चाधिकारियों ने क्षेत्र का दौरा कर जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों के प्रभावी निस्तारण के लिए प्रयास किये। अधिकारियों ने जिले में संचालित छात्रावासों का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने छात्रावास में भवन की स्थिति, साथ सफाई, भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं एवं इंतजामों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्रा प्रवेश पंजिका, स्टाफ उपस्थिति पंजिका, राशन एवं रोकड़ पंजिका, भंडार पंजिका एवं मैस समिति बैठक पंजिका सहित अन्य पंजिकाओं एवं दस्तावेजों की जांच की। साथ ही उन्होंने मौके पर मौजूद छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों से संवाद कर व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक भी लिया अधिकारियों ने अपने उपखण्ड के जलभराव प्रभावित खेतों में जाकर किसानों से संवाद किया एवं नुकसान का जायजा भी लिया।क्षेत्र में मलेरिया डेंगू सहित अन्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए नालियों एवं खाली भूखण्डों पर डी.डी.टी पाउडर व सोडियम हाईपॉक्लोराईड का छिडकाव किया गया है तथा फोगिंग करवाई गई। तथा आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु हस्ताक्षर करवाकर स्वच्छता की शपथ दिलवाई गई। साथ ही लोगों को साफ-सफाई के बारे में जागरूक किया। शहर के विभिन्न सी.टी.यू पर सफाई अभियान चलाकर कचरा उठवाकर सफाई की गई। मच्छर जनित बीमारियों के नियंत्रण व रोकथाम हेतु उपखण्ड क्षेत्र के विभिन्न गांवों, कस्बों में आशा सहयोगिनियों, मेडिकल हेल्थ वर्कर सर्वे टीम द्वारा घर-घर जाकर सोर्स रिडक्शन, एन्टीलार्वल, एंटी एडल्ट गतिविधियाँ सम्पादित की गई एवं छत पर रखी पानी की टंकियों की सफाई एवं खुली टंकियों को ढकने के बारे में बताया गया। कस्बे, गावों में रुकी हुई नालियों की सफाई करवाई गई एवं टेमिफांस डाला गया।साथ ही अधिकारियों ने क्षेत्र में बारिश से टूटी सड़कों के लिए जारी पेचवर्क एवं मरम्मत के कार्य की गुणवत्ता की जांच भी की।

- **सड़कों की मरम्मत की गुणवत्ता की जांच की, वार्डों में देखी फॉगिंग एवं एंटी लारवल गतिविधियां**

राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग

अतिवृष्टि से किसानो के हुए फसल खराबे का मुआवजा दिये जाने की मांग को लेकर कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

चमकता राजस्थान

बूंदी (राजकुमार राठौड) बूंदी राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी व अतिवृष्टि से जिले के किसानो के नुकसान का सर्वे करवाकर मुआवजा दिये जाने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की और से जंगी विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री के नाम जिला परिषद के सीईओ रवि वर्मा को ज्ञापन सौपा।राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में शनिवार को मामले को लेकर जिले के तीनों विधायकों की अगुवाई में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट में प्रवेश को लेकर कांग्रेस नेताओं की पुलिस से कुछ देर बहस भी हुई। इसी बीच आक्रोशित कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने जोशिले नारे लगाते हुए अंदर प्रवेश कर लिया इस धक्कामुक्की में कलेक्ट्रेट का मुख्य द्वार टूट गया।पूर्व मंत्री हिंडोली विधायक अशोक चांदना ने संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना के बाद खून गाढ़ा होने की शिकायत आई थी लेकिन बिटटू पहले व्यक्ति हैं जिनका भाजपा में जाने के बाद खून पतला हो गया। इस वजह से वह अनर्लगल बयान दे रहे हैं। जिससे भाजपा की चाल, चरित्र और चेहरा सामने आ गया। वे जब कांग्रेस में थे तब वह इस तरह की बात नहीं किया करते थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी की वाशिंग मशीन में

जिसकी भी धुलाई होती है वह इस तरह की भाषा का प्रयोग करता है। भाजपा का यही चरित्र है जो बिटटू का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता इंदिरा गांधी व राजीव गांधी ने देश के लिए कुर्बानी दी है। उनके बेटे पर इस तरह की भाषा का प्रयोग करना ठीक नहीं। विधायक अशोक चांदना ने कहा कि पिछले दिनों अतिवृष्टि से जिले सहित हिंडोली-नेनवा क्षेत्र की अधिकांश फसलें बर्बाद हो गईं। कई मकान धराशाई हो गए। लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मैनें मामले को लेकर कलेक्टर को चिट्ठी लिखकर विशेष बैठक बुलाने का आग्रह किया तो तक प्रशासन की ओर से छिट्टी का कोई जवाब नहीं आया। विधायक चांदना ने कहा कि मजबूरन आज हमें धरना प्रदर्शन करना पड़ा। चांदना ने कहा कि सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आपसी विचारविमर्श कर जिला प्रशासन को एक माह का समय दिया है। अगर एक माह में भी अतिवृष्टि का मुआवजा और अन्य मामलों का निस्तारण नहीं हुआ तो 21 अक्टूबर को बूंदी में विशाल जन आंदोलन किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर सोशल मीडिया के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की छवि खराब करने का आरोप लगाया। उन्होने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल की बढ़ती लोकप्रियता से बीजेपी के नेता घबराए हुए है जो इस तरह की बयानबाजी उनकी छवी को बिगडने का प्रयास कर रहे है। कांग्रेस का कोई नेता कार्यकर्ता इनकी चालों से घबराने वाला नहीं है। विधायक शर्मा ने कहा कि जिले में अधिक वर्षा से फसलों को हुए नुकसान का अब तक सर्वे नहीं कराया गया। इससे किसानों और बाढ़ प्रभावितों में रोष व्याप्त है। इसी को लेकर जिला प्रशासन से विशेष बैठक बुलाने का आग्रह किया था लेकिन जिला प्रशासन के अधिकारियों को किसानों के नुकसान और उनकी परेशानी से कोई लेना देना नहीं है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं केशोरायपाटन विधायक सीएल प्रेमी ने कहा कि कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा नेताओं द्वारा जिस तरीके से अनर्गगल बयान बाजी की जा रही है इसे कांग्रेस का कार्यकर्ता कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का चरित्र जनता के सामने आ चुका है और जनता सब जान चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा बदले की भावना से काम कर रही है। देश के सामाजिक सौहार्द के ताने-बाने को बिगड़ने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बूंदी जिले में अतिवृष्टि से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। कई मकान बारिश के कारण ध्वस्त हो चुके हैं, किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी है। लेकिन प्रशासन इसको लेकर बिलकुल गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि केसीसी के नाम पर बैंक किसानों से बीमा राशि तो वसूल रहे है लेकिन किसानों को मुआवजा नहीं दे पा रहे है। उन्होंने जिला प्रशासन को चेताते हुए कहा कि जल्द से जल्द प्रशासन किसानों के हुए नुकसान का सर्वे करवा कर मुआवजा देने का काम करें अन्यथा कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता किसानों के साथ मिलकर सड़क पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे।

कांग्रेस नेता जगरूप सिंह रंधावा हुए चोटिलजगरूप सिंह रंधावा के पैर लगी चोट का जिला अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। हॉस्पिटल में रंधावा के पैर की हड्डी को वापस डॉक्टर द्वारा सेट करके प्लासतर बांधकर घर भेज दिया है।कलेक्ट्रेट में प्रवेश को लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर जिला प्रशासन के प्रतिनिधी को बुलाने का आग्रह किया। लेकिन जब इंतजार के बाद भी एडीएम सहित कोई प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचे तो कांग्रेस नेता अशोक चांदना सहित पार्टी पदाधिकारी आक्रोशित हो गए और पुलिस से काफी बहस हुई। मुख्य गेट को लगाकर वहां तैनात पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकरियों को रोकने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस अधिकारियों और जवानों के तमाम प्रयासों के बावजूद कार्यकर्ताओं की भीड़ मुख्य गेट को तोड़ते हुए अंदर प्रवेश कर गई। जबकि, मुख्य गेट पर तीन थाना अधिकारियों सहित भारी भरकम पुलिस और आरएसी के जवान तैनात थे। वहीं बाहर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने लाठियां फटकार कर खदेडा।इस दौरान इस दौरान पूर्व जिला प्रमुख महावीर मीणा, पूर्व प्रधान श्योपाल मीणा, रामअवतार शर्मा, अमृत लाल गुर्जर, आनंदीलाल मीणा, दिनेश बड़ोदिया, समृद्व शर्मा, भारत सिंह सोलंकी, संदीप पुरोहित, ब्लॉक अध्यक्ष सर्वजीत सिंह, बूंदी ब्लॉक अध्यक्ष राम किरण मीणा, ब्लॉक अध्यक्ष प्रेम शंकर राठौर, मोडूलाल वर्मा, एड. महावीर मीणा, एड. चंद्रशेखर शर्मा, देवराज गोचर, जगरूप सिंह रंधावा, चर्मेश शर्मा, नवेद केसर लखपति, राजीव लोचन गौतम, जितेंद्र शर्मा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष निशांत नुवाल, यासीन कुरेशी, लक्ष्मण बैरवा, जयकुमार बैरवा, मंडल अध्यक्ष इमरान देशवाली, आशुतोष शर्मा, राकेश चांदना आदी मोजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

चित्तौड़गढ़ जिले में कोतवाली निंबाहेड़ा पुलिस की कार्रवाई

- मादक पदार्थ तस्करी में 6 साल से फरार 10 हजार रूपये ईनामी अभियुक्त मध्यप्रदेश के नीमच से गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर/चित्तौड़गढ़,(खलील कुरैशी) 20 सितम्बर। चित्तौड़गढ़ में कोतवाली निंबाहेड़ा थाना पुलिस ने 71 किलो अवैध अफीम तस्करी में 6 साल से फरार 10 हजार रूपये के इनामी अभियुक्त विष्णु नागदा पुत्र भगत राम नागदा (36) निवासी रेवली देवली थाना नीमच सीटी मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया है।एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि 24 अप्रैल 2018 को थाना कोतवाली निम्बाहेडा पुलिस ने कल्याणपुरा-केली रोड पर नाकाबन्दी में एक क्रेटा कार से 71 किलो अवैध अफीम जब्त कर आरोपी चौथमल को गिरफ्तार किया था। आरोपी चौथमल को अफीम सप्लाई का आरोपी विष्णु नागदा तभी फरार चल रहा था। जिस पर 10 हजार रुपये का ईनाम जारी किया गया।लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी जोशी द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पर्वत सिंह व सीओ बद्रीप्रसाद के सुपरविजन एवं एसएचओ रामसुमेर के नेतृत्व मे विष्णु नागदा की तलाश के लिये एएसआई सूरज कुमार तथा कांस्टेबल देवेंद्र वीरेंद्र की टीम का गठन किया गया। गठित टीम अभियुक्त विष्णु नागदा की तलाश लगातार मन्दसौर, नीमच व नाहरगढ की तरफ कर रही थी।इसी दौरान गुरुवार 19 जून को एएसआई सूरज कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि विष्णु नागदा आज नीमच आया हुआ है तथा कुछ ही देर मे मन्दसौर की तरफ जाने के लिये हरकिया खाल फंटा पर आयेगा। सूचना पर पुलिस टीम तुरन्त हरकिया खाल फंटा पहुची, जहां मुखबिर के बताये हुलिये का एक व्यक्ति बस का इंतजार करता दिखाई दिया। पुलिस को बावर्दी देख व्यक्ति भागने लगा, जिसे एएसआई सूरज कुमार मय टीम ने घेरा देकर पकड़ कर नाम पता पूछा तो उसने अपने नाम विष्णु नागदा बताया। अभियुक्त विष्णु गिरफ्तारी से बचने के लिये मोबाईल व किसी भी प्रकार की डिवाईस का प्रयोग नही करता था तथा मन्दसौर व उज्जैन की तरफ वेश बदलकर रहता था। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिये निम्बाहेडा पुलिस ने काफी दिनो तक उसके रहने के ठिकानों की रैकी कर और मुखबीर एक्टिव किये।

अलवर जिले में थाना खेरली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

1.30 करोड़ रुपये कीमत के माल की चोरी का खुलासा, अंतर्राज्यीय गैंग का एक सदस्य गिरफ्तार, पांच नामजद आरोपियों की तलाश जारी

- मदर डेयरी मिल्क पाउडर के 1480 बैग किए थे खुर्दबुर्द, इसमें से 50.80 लाख का माल बरामद

चमकता राजस्थान

जयपुर/अलवर, 20 सितम्बर। अलवर जिले की खेरली थाना पुलिस की टीम ने कंपनी से ट्रक में लोड किए गए माल को खुर्द बुर्द करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का खुलासा कर गिरोह के एक सदस्य आरिफ खान पुत्र जान मोहम्मद (34) निवासी सुखपुरी थाना नगीना जिला नूंह मेवात हरियाणा को गिरफ्तार कर खुर्द बुर्द किये माल में से 50.80 लाख रुपए कीमत का माल बरामद करने में सफलता हासिल की है।एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि घटना के संबंध में बिग स्टॉक लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मैनेजर ने रिपोर्ट दी थी कि उनकी कंपनी का एक ट्रक लेकर ड्राइवर अलीम खान देमकानी कोट्टई हौसुर तमिल नाडू मदर डेयरी फ्रूट वेजिटेबल प्रा० लिमिटेड व एसकेए डेयरी तमिलनाडू से हापुड़ व-ढ मदर डेयरी मिल्क प्लांट के लिए 04 सितम्बर को रवाना हुआ था। ट्रक मे 1480 कट्टे व बैग थे, जिस किसी अज्ञात लोगों ने चुरा या लूट लिया है। पूरे माल की कीमत 1 करोड़ 29 लाख 72 हजार 830 है। रिपोर्ट पर थाना खेरली में मुकदमा दर्ज का जांच शुरू की गई।घटना के खुलासे एवं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी शर्मा द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ प्रियंका व सीओ जोगेंद्र सिंह के सुपरविजन एवं एसएचओ महावीर प्रसाद के नेतृत्व में गठित की गई टीम द्वारा तकनीकी सहायता एवं आसूचना संकलन के आधार पर वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी आरिफ खान को गिरफ्तार कर खुर्दबुर्द किया गया 50.80 लाख रुपये का माल बरामद किया गया।मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी से पूछताछ के बाद पुलिस ने घटना में शामिल अन्य आरोपियों अलीम मेव निवासी थाना जुरहरा जिला डीग, सद्दाम मेव निवासी थाना तावडू जिला नुहू मेवात, साजिद मेव व मुबारिक मेव निवासी थाना पहाड़ी जिला डीग एवं शैलेश मराठी को नामजद किया है, जिनकी तलाश की जा रही है। ट्रक ड्राइवर अलीम मेव के विरुद्ध विभिन्न थानों में चोरी, लूट, डकैती के एक दर्जन से अधिक प्रकरण दर्ज है।एसपी शर्मा ने बताया कि इस अंतर्राज्यीय गिरोह के सदस्य विभिन्न कंपनियों में ट्रक ड्राइवर है जो कंपनी से ट्रक में माल भर रास्ते मे उसे खुर्द बुर्द कर खाली ट्रक को घटना स्थल से करीब 400-500 किलोमीटर दूर लावारिस हालत में खड़ा कर देते हैं, जिससे घटना का खुलासा नहीं हो सके। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी में कांस्टेबल प्रधान की मुख्य भूमिका रही है।

खोले के हनुमान जी मंदिर परिसर में रोप वे पर हुई मॉक ड्रिल

चमकता राजस्थान

- नागरिक सुरक्षा, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ का संयुक्त अभ्यास
- रोप वे पर फंसे यात्रियों को सकुशल किया रेस्क्यू

जयपुर!(खलील कुरैशी) 21 सितंबर। जयपुर के खोले के हनुमान जी मंदिर परिसर में स्थित रोप वे पर शनिवार को जिला प्रशासन द्वारा एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) शैफाली कुशवाह के नेतृत्व में आयोजित हुई मॉक ड्रिल में नागरिक सुरक्षा विभाग, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ के जवानों ने रोपवे में फंसे यात्रियों को सकुशल रेस्क्यू किया। शैफाली कुशवाह ने बताया कि मॉक ड्रिल के दौरान जवानों एवं स्वयं सेवकों ने अपने कौशल, तकनीक एवं प्रतिभा के दम पर ऊंचाई पर रोप वे की ट्रॉली में फंसे हुए यात्रियों तक ना केवल समय रहते सहायता पहुंचाई बल्कि उन्हें सकुशल नीचे भी उतारा।वहीं, कमांडेंट विकास सिंह ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य रोप वे जैसी ऊंचाई वाले स्थानों से प्रभावितों को सकुशल रेस्क्यू के लिए जरूरी इंतजामों को सुनिश्चित करना है।इस दौरान निरीक्षक राजेन्द्र सिंह भाटी, मुख्य रोपवे निरीक्षक सहित चिकित्सा विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, मंदिर प्रशासन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैंक फ्रॉड से बचाव के लिए आमजन को करें वित्तीय जागरूक-एडीएम ओम प्रकाश सहारण

- जिला स्तरीय समीक्षा एवं सलाहकार समिति का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान। कोटपूतली-बहरोड़,(धर्मेंद्र बंसल)। 20 सितंबर। केन्द्र एवं राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावीक्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जिले के अग्रणी बैंक जल्द से जल्द अपने ऋण लक्ष्यों को हासिल करें ताकि प्रत्येक जरूरतमंद तक राहत पहुंचाई जा सके। यह कहना है अतिरिक्त जिला कलक्टर ओम प्रकाश सहारण का। सहारण ने यह बात शुक्रवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई जिला स्तरीय समीक्षा एवं सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। बैठक में अतिरिक्त कलक्टर ओम प्रकाश सहारण ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रत्येक अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी का कर्तव्य एवं दायित्व है। इसके लिए अधिकारियों को सभी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए पूर्ण ईमानदारी से प्रयास करना होगा।उन्होंने अधिकारियों को राजीविका, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, जन-धन योजना, जीवन ज्योति योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन स्कीम सहित अन्य योजनाओं के बेहतर एवं प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश भी दिये। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बैठक में अधिकारियों को साइबर अपराध पर रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश भी दिये। बैठक में जिला कलक्टर ने वार्षिक साख योजना 2024-25 पुस्तिका का विमोचन भी किया। बैठक में सितम्बर, 2024 तिमाही में बैंकों द्वारा की गई प्रगति के साथ सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा जिस तरह से योजनाओं की समीक्षा की जा रही है ऐसे में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति को भी निश्चित रूप से मिलेगा। समीक्षा के दौरान पीएम स्वनिधि, घर-घर केसीसी अभियान एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत लंबे समय से बैंक शाखाओं में लंबित आवेदन पत्रों को त्वरित गति से निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ओम प्रकाश सहारण, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनिवास, डीजीएम गिरवर अग्रवाल,एलडीएम मुकेश गुर्जर, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ हरीश गुर्जर, नाबार्ड जिला प्रबंधक मीनाक्षी मीना, पीएनबी के बीआरकेजीबी के एजीएम एम.एल कुलदीप, आरबीआई मैनेजर अक्षय गुंबर, सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयकों व संबन्धित सरकारी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मेधावी विद्यार्थियों को मिला निशुल्क टेबलेट

चमकता राजस्थान। जयपुर /झुंझुनूं (खलील कुरैशी) सिंघाना रा. उच्च. मा. वि कलगांव,ब्लॉक सिंघाना,झुंझुनूं के 5 मेधावी विद्यार्थियों को निशुल्क टेबलेट वितरण किया गया है। शहीद कर्नल जय प्रकाश जानू रा उच्च मा वि झुंझनू में किया गया। जिसमे विद्यालय की सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा 2023 की टॉपर छात्रा खुशी अग्रवाल 89.33%,रिया सैनी 87.83%,लीलावती तानाण 87.83%,सोनू तेतरवाल 86%तथा 2022 के आठवीं बोर्ड के टॉपर तनुज यादव को निशुल्क टैबलेट प्रदान करने पर समस्त विद्यालय परिवार एवं ग्रामवासियों ने खुशी जाहिर की है।

जयपुर विकास प्राधिकरण ने नवीन अवैध कॉलोनियों पर चलाया पीला पंजा

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी महेंद्र कुमार शर्मा के निर्देशन जेडीए अवैध कॉलोनियों पर लगातार कस रहा है शिकंजा

जेडीए ने 32 बीघा भूमि पर चार अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी), 20 सितम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में निजी खातेदारी की करीब 32 बीघा कृषि भूमि पर 04 नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम विराजपुरा, बस्सी, जिला जयपुर में करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''श्याम सिटी'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।जेडीए द्वारा जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बस्सी, आगरा रोड़ जिला जयपुर में खसरा नं. 650, 661 करीब 15 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।जेडीए द्वारा जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सुमेल रोजस विला गार्डन के पास, जिला जयपुर में करीब 08 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''श्री नारायण धाम'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इसी प्रकार जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जयसिंहपुरा खोर, शारदा स्कूल के सामने, जिला जयपुर में करीब 03 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''रोहित नगर-7'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-13 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

संक्षिप्त समाचार

विधायक चंद्रभानसिंह आक्या के नेतृत्व में मार्बल एसोसिएशन प्रतिनिधी मण्डल ने उप मुख्यमंत्री से की भेंट!

- **मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना में ब्याज अनुदान को आगे बढ़ाने का किया अनुरोध**

चमकता राजस्थान। चित्तौडगढ़ (बाबू अग्नानी) विधायक चंद्रभानसिंह आक्या के नेतृत्व में चित्तौडगढ़ मार्बल एसोसिएशन के प्रतिनिधी मण्डल ने शनिवार को जयपुर में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी से भेंटकर उन्हे पत्र प्रेषित कर मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना में ब्याज अनुदान को आगे बढ़ाने व संयुक्त निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग जयपुर द्वारा प्रदतमार्गदर्शन दिनांक01/05/2023 को वापस लेने का अनुरोध किया।मार्बल ऐसोसिएशन के भागचंद मुंदड़ा ने बताया कि विधायक आक्या के नेतृत्व में मार्बल एसोसिएशन के प्रतिनिधी मण्डल ने शनिवार को जयपुर में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी से भेंटकर उन्हे पत्र प्रेषित कर दिसंबर 2019 से 2024 तक संचालित मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना में ब्याज अनुदान को आगे बढ़ाने का अनुरोध करते हुए बताया कि सरकार द्वारा उक्त योजना उपलब्ध कराकर प्रदेश में रोजगार सृजन एवं औद्योगिकरण का कीर्तिमान स्थापित किया जिसका अनुसरण अनेक प्रदेशों ने भी किया एवं प्रदेश के समस्त उद्यमियों ने इसका पुरजोर शब्दों में स्वागत किया है।मार्बल ऐसोसिएशन के भागचंद मुंदड़ा ने बताया कि उद्योग एवं वाणिज्य विभाग जयपुर के संयुक्त निदेशक ने दिनांक 01/05/2023 को एक पत्र समस्त जिला उद्योग केन्द्रों को प्रेषित कर अनुदान पर रोक लगाकर उद्यमियों को संकट में डाल दिया है जबकि दिनांक 13/12/2019 की योजना की मार्गदर्शिका के बिन्दु क्रमांक 4( ) में स्पष्ट उल्लेख है कि योजना के अन्तर्गत अगर कोई कम्पनी का निदेशक 1 से अधिक कम्पनी में निदेशक है तो उसे योजना से वंचित किया जाये, जबकि उपरोक्त बिन्दु क्रमांक 4( ) कम्पनी पर लागु नहीं होकर व्यक्तिगत मामलों में ही लागु होता है। पूर्व में भी ऐसे मामलो में सभी उद्यमियों को लाभ दिया गया है। एक निदेशक अगर दुसरी कम्पनी में निदेशक नियुक्त हुआ है उसे सरकार ब्याज सब्सिडी पिछले 2-3 साल में दे रही है, परन्तु आयुक्त महोदय का पत्र क्रमांक एफ 50( )आ.उ./ एमएलयूपीवाई/मार्गदर्शन -8/2022-23 के आधार पर ब्याज सब्सिडी मय ब्याज के वापिस वसूली करने की कार्यवाही की जा रही है। जबकि एक से दूसरी कम्पनी में निदेशक जुड़ने का आशय नया उद्यम या विस्तारीकरण करना है जो रोजगार एवं राजस्व देता है। उपरोक्त अपात्र किये गये उद्यमियों की संख्या भी नगण्य है जैसे चित्तौडगढ में मात्र 2 उद्यमी है।प्रतिनिधि मण्डल ने उप मुख्यमंत्री से मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना में ब्याज अनुदान की स्कीम को आगे बढ़ाने व संयुक्त निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग जयपुर द्वारा प्रदत मार्गदर्शन दिनांक 01/05/2023 को वापस लेने का अनुरोध किया। उप मुख्यमत्री ने इस पर सहानुभुति पूर्वक विचार करने व शीघ्र स्कीम को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया।
प्रतिनिधी मण्डल में सुदर्शन रामपुरिया, अरविन्द बल्दवा आदी उपस्थित थे।

जिला कलक्टर के निर्देश पर रसद विभाग की बड़ी कार्रवाई

पचकोड़िया में घरेलू गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण का पर्दाफाश

प्रवर्तन दस्ते ने मौके से 47 घरेलू गैस सिलेंडर किए बरामद

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 21 सितंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग एवं अवैध भंडारण के खिलाफ अभियान के तहत रसद विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है।जिला रसद अधिकारी जयपुर ग्रामीण त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि विभाग के प्रवर्तन दस्ते ने किशनगढ़-रेनवाल क्षेत्र के पचकोड़िया में अवैध भंडारण किए गए 47 घरेलू गैस सिलिंडर जब्त किए ।उन्होंने बताया कि उक्त कार्यवाही के लिए गठित दल ने पचकोड़िया ग्राम में 36 भरे एवं 11 खाली सिलेंडर सहित कुल 47 घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध जखीरा बरामद किया। जिन्हें टीम द्वारा मौके पर ही जब्त किया गया ।
टीम में प्रवर्तन अधिकारी राम स्वरूप चौधरी(टीम प्रभारी), जयराम, महेश कुमार मीणा व प्रवर्तन निरीक्षक राहुल भावरिया सरोज बिश्नोई, विमला मीणा, सुश्री मीनू गोदारा शामिल रहे ।

शहीद के नाम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नामकरण करने की कली मांग।

चमकता राजस्थान। कोटपूतली बहरोड (धर्मेंद्र बंसल)। कोटपूतली के निकटवर्ती ग्राम मोलाहेडा में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम 1972 के युद्ध ऑपरेशन लिली में शहीद हुए शहीद स्वर्गीय बहादुर सिंह गुर्जर के नाम पर नामकरण करने को लेकर अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर जयभगवान जी यादव को युवा गुर्जर महासभा के जिला अध्यक्ष अंकित वीर गुर्जर (नून) के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया।इस दौरान शहीद सुपौत्र कृष्ण जांगल पूर्व एबीवीपी जिला संयोजक भीम

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह होंगे अगले वायुसेना प्रमुख

विवेक राम चौधरी की जगह संभालेंगे जिम्मेदारी

नयी दिल्ली/एजेंसी

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह को वायुसेना के अगले प्रमुख होंगे। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह वर्तमान में वायुसेना के उप-प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। वे 30 सितंबर 2024 की दोपहर से अगले वायुसेना प्रमुख के रूप में एयर चीफ मार्शल का पदभार संभालेंगे। वर्तमान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी 30 सितंबर 2024 को पदमुक्त हो रहे हैं। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र रह चुके हैं। वे एक योग्य उड़ान प्रशिक्षक और शानदार पायलट हैं। उनके पास फिक्स्ड और रोटरी विंग विमानों पर 5,000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है।अपने करियर के दौरान एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह ऑपरेशनल फाइटर स्क्वाड्रन और फ्रंटलाइन एयर बेस की कमान संभाल चुके हैं। पायलट के रूप में उन्होंने मॉस्को, रूस में मिग-29 अपग्रेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टीम का नेतृत्व किया था। वह राष्ट्रीय उड़ान परीक्षण केंद्र में परियोजना निदेशक (उड़ान परीक्षण) भी थे। उन्हें लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस की उड़ान परीक्षण का काम सौंपा गया था। उन्होंने दक्षिण पश्चिमी वायु कमान में वायु रक्षा कमांडर और पूर्वी वायु कमान में वरिष्ठ वायु स्टाफ अधिकारी के अहम पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। वायुसेना उप-प्रमुख का पदभार संभालने से पहले वह मध्य वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ थे।

समन्वय एवं सहयोग स्थापित कर ज्यादा से ज्यादा निवेश आकर्षित करें अधिकारी: जिला कलक्टर

डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने आयोजन की तैयारियों को लेकर की विभागवार समीक्षा

जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट से पूर्व समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

08 नवंबर को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में होगा जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 20 सितंबर। जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू में ज्यादा से ज्यादा निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सभी विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय एवं सहयोग से कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें ताकि तीनों जिलों में ज्यादा से ज्यादा निवेश प्रोत्साहित किया जा सके। यह कहना है जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी का।शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट से पूर्व समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान की अर्थव्यवस्था को आगामी 5 वर्षों में 350 अरब डॉलर करने के उद्देश्य से राइजिंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट का आयोजन 9 से 11 दिसंबर तक 2024 तक जयपुर में होगा। इससे पूर्व जिला स्तर पर एक दिवसीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया जाएगा। जहां निवेशकों के साथ एमओयू हस्ताक्षर किए जाने हैं।जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिलों की जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन 08 नवंबर 2024 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में किया जाएगा। मीट के सफल आयोजन के लिए संपूर्ण जिले के उद्यमियों से संपर्क किया जा रहा है। जिला कलक्टर ने कहा कि मीट में ज्यादा से ज्यादा निवेश प्रोत्साहन एवं एमओयू हस्ताक्षर किये जाएं इसके लिए विभागीय अधिकारी हर संभव प्रयास करें एवं निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 एक नज़र में'

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 का आयोजन 9, 10 और 11 दिसंबर 2024 को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आकर काम करने के लिए आमंत्रित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना और अन्य सुविधाएँ मुहैय्या कराना है। इस ग्लोबल समिट के दौरान कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल्स), इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रो-केमिकल, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन और ईएसडीएम/आईटी और आईटीईएस सहित विभिन्न क्षेत्रों पर विशेष सत्र का आयोजन होगा।बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) विनिता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर दूदू गोपाल परिहार सहित उद्योग विभाग, खनन विभाग, ऊर्जा विभाग, पर्यटन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, अक्षय ऊर्जा निगम, बैंक, प्रदूषण नियंत्रण मंडल एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रकृति के करीब

सुन्दरता बयान करना मुश्किल काम है, यदि आप अपने लुक्स को निखार कर अच्छा महसूस करती हैं तो आप अपने जीवन में और आनन्द का अनुभव कर सकती हैं।

सुन्दरता बयान करना मुश्किल काम है, यदि आप अपने लुक्स को निखार कर अच्छा महसूस करती है तो आप अपने जीवन में और आनन्द का अनुभव कर सकती है।

ये याद रखें कि आपकी त्वचा हमेशा आपका खयोल रखती है इसलिए आपको भी त्वचा के प्रति बहुत सरलता से पेश आना चाहिए। हमारी त्वचा दिन भर में कई प्रकार की प्रताड़ना सहती है जैसे-धूप, प्रदूषण और टॉक्सिन आदि। हमारी आदत होती है कि हम केवल अपने चेहरे का ध्यान रखते हैं और शरीर के अन्य हिस्सों को अनदेखा कर देते हैं। पर जब नींद खुले तब सवेरा। वैसे अपनी त्वचा का ख्याल कम उम्र से ही रखना शुरू कर देना चाहिए ताकि बड़ी उम्र में भी आपके चेहरे का तेज बरकरार रहे।

हम लाए है आपके लिए कुछ ऐसे उपाय जो आपके शरीर के अन्य हिस्सों का खयाल रखने में मदद करेगा।

आंखों के नीचे कालापन

आंखों के नीचे के कालेपन को कम करने के लिए कद्दूकस किया हुआ आलू मलमल के कपड़े में रख कर पलकों पर लगाए। इसे १५-२० मिनट तक रहने दें। फिर इसे पोंछ कर आई क्रीम लगा लें।

ब्यूटी मास्क

कैरट फेशियल मास्क

सामग्री :

२-३ गाजर (बड़े) साढ़े चार टेबल स्पून शहद

पहले गाजर को पका कर उसे कुचल लें इस में शहद मिलाएं। फिर इसे त्वचा पर फैला दें और १० मिनट तक रहने दें। फिर त्वचा को ठंडे पानी से धो लें।

त्वचा की गंदगी को हटाना

सूखी और पपड़ीदार त्वचा और डेड सेल को हटाने में समुद्र का खारा पानी फायदेमंद होता है। गीली त्वचा पर दो-तीन चम्मच समुद्री नमक लें और हल्के हाथ या कपड़े से इसे त्वचा पर रगड़ें। सबसे ज्यादा ध्यान टी-जोन और गालों पर दें पर आंखों के आस-पास की त्वचा पर न लगाएं। एक या दो मिनट के बाद ठण्डे पानी से त्वचा को धों लें। ऐसा करना जरूरी है। इसे सप्ताह में एक बार जरूर कर लें।

फेशियल मास्क

सामग्री :

१ टेबल स्पून मुल्तानी मिट्टी।

१टेबल स्पून शहद

१टेबल स्पून मैश किसा हुआ पपीता।

इन्हें एक साथ मिलाकर २० मिनट के लिए त्वचा पर रखें और फिर धो लें। सबसे अच्छा फैशियल मास्क शहद है इसे हफ्ते में एक बार त्वचा पर जरूर लगाएं।

झुर्रियां हटाने के लिए

बिना बीज के अंगूर। बाजार में मिलने वाली रिंवल क्रीम में इसी तत्व का इस्तेमाल किया जाता है। अंगूर को क्रश कर के अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। फिर इसे २० मिनट के लिए चेहरे पर रहने दें और गुनगुने पानी से धोंएं तथा हल्के हाथों से पोछें। इसे रोजाना करें। रोजाना आठ ग्लास पानी पीना न भूलें। उन सब्जियों को खाएं जिनमें विटामिन 'ए' की मात्रा ज्यादा हो जैसे गाजर पालक आदि।

आरेंज योगर्ट मास्क

१टेबल स्पून प्लेन योगर्ट चौथाई चम्मच संतरे का जूस इनको एक साथ मिलाइए और उंगलियों से चेहरे पर लगाइए। इसे लगाने से चेहरे को बहुत आराम मिलता है। पांच मिनट तक लगाएं रखें और फिर धो लें। आपके चेहरे के लिए ये बहुत अच्छा मास्क साबित हो सकता है। योगर्ट आपके चेहरे को पोषण देता है और नारंगी विटामिन सी से भरपूर है।

खूबसूरत एड़ीयां

हम हमेशा खूबसूरत एड़ीयों और पैरों की कामना करते हैं। इसके लिए १ कप नींबू का रस, खूशबू के लिए लौंग, आधा कप दूध और पानी। इन सभी चीजों को पानी वाले टब में डाल दें और फिर अपने पैरों को इसमें डुबोदें। फिर पैरों को बाहर निकालकर उन्हें पौछ लें तथा कोई भी माइल्ड नर्म और मुलायम साबुन लगाएं। इससे आपकी स्किन बहुत नर्म और मुलायम बन जाएंगी।

अपने आपको निखारें कुछ इस तरह

सजना संवरना नारी का प्रिय शौक है। इसके लिए स्त्रियां तरह-तरह के नुस्खे आजमाती रहती हैं। प्रस्तुत है आकर्षक व्यक्तित्व पाने के अचूक नुस्खे।

आइ ब्रो

माना कि महिलाओं की तरह शेप की हुई आइ ब्रो रखना जरूरी नहीं, पर यूनी ब्रो से आप अजीब से लगने लगते हैं। यूनी ब्रो से मतलब दोनों भौंहों का आपस में मिली हुई होना। इसके लिए दोनों भौहों के बीच से कुछ बालों के ट्वीज करें ताकि दोनों भौंहें अलग नजर आने लगें।

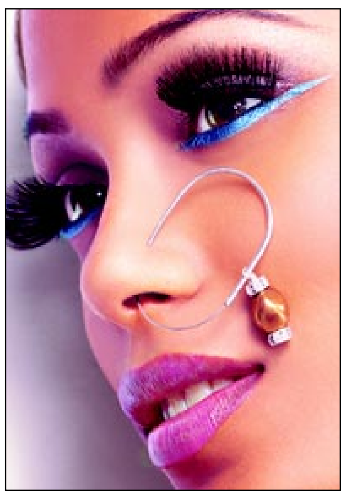

नाखून

आपके नाखून और हाथ आपकी सफाई पसंदगी और हाइजीन का हाल बयां कर देते हैं। हर हफ्ते मेनीक्योर भले ही न करें पर हाथों को साफ-साफ जरूर रखें।

त्वचा

मुलायम और लावणययुक्त त्वचा आकर्षण का आधार है। यह नहीं कि साबुन से रगड़ कर नहा लिए और रुखी-सूखी त्वचा के साथ घूमें। खासकर सर्दियों में क्रीम और मॉइश्चराइजर का प्रयोग अवश्य करें। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो ऑयल फ्री प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें।

पैर

पैरों की नियमित साफ-सफाई, करें और जरूरत पड़े तो पेडीक्योर भी करें।

कान-नाक के बाल

नाक और कान से निकले बाल आपके चेहरे की चमक को फीका कर सकते हैं। अत: सैलून में जाएं तो इन्हें भी नियम से कटाते रहें।

दांत

अगर आप दांतों की किसी बीमारी या अन्य समस्या से परेशान हैं, तो बेहिचक डेन्टिस्ट की मदद लें। सामान्यतौर पर व्हाइटनिंग टूथपेस्ट, फ्लॉश और माउथवाश की मदद से ओरल हाइजीन मेन्टेल की जा सकती है। इस प्रकार कुछ उपायों से आप आकर्षक बन सकती हैं।

हंसो हरदम, खुशी हो या गम

आधुनिक जीवनशैली ने हमें तनाव, निराशा व कुंठा से भर दिया है और हंसने-हंसाने के अवसर लगाता कम होते जा रहे हैं। इससे कई बीमारियां व जटिलताएं पैदा हो रही हैं जिससे निपटारे के लिए 'लाफिंग क्लब' व 'लाफिंग थैरेपी' इत्यादि की जरूरत महसूस की जा रही है। वैज्ञानिकों, डाक्टरों व दार्शनिकों ने भी हंसी को महत्वपूर्ण माना है। प्रस्तुत है हंसी की हकीकत-

- हंसना हमारे मनुष्य होने का प्रमाण है क्योंकि सिर्फ मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो खुलकर हंस सकता है।
- हंसना एक मुफ्त में मिलने वाला टॉनिक है जिससे हमारा मन व शरीर दोनों स्वस्थ होते हैं।
- हंसना एक व्यायाम है। इससे सीने व पेट का स्नायुतंत्र मजबूत होता है और शरीर के लिए लाभदायक एंडोर्फिन नामक हार्मोंस भी सक्रिय होता है।
- हंसने से चेहरे व शरीर की मांसपेशियां क्रियाशील होती हैं। इससे तनाव, ऊब, अवसाद तथा सिरदर्द व पीठ दर्द में आराम मिलता है।
- हंसने से त्वचा के बंद छिद्र खुलते हैं जिससे शरीर में मौजूद विषैले द्रवों के बाहर निकलने में आसानी होती है।
- हंसने से रक्त संचार ठीक होता है और खून बढ़ता है। इससे अनिद्रा नहीं होती और लम्बी आयु की प्राप्ति होती है।
- हंसना पौरुषहीनता, ब्लडप्रैशर व कई गंभीर बीमारियों में भी लाभदायक है।
- हंसी से आपसी रिश्ते मजबूत होते हैं। 'हंसना दो लोगों के बीच का न्यूनतम अंतर है।' तो हो जाइए तैयार हंसने-हंसाने के लिए। इससे आप स्वस्थ रहेंगे।

पॉजिटिव लाइफ

पॉजिटिव लाइफ जीने के लिए आपको चाहिए सकारात्मक सोच।

आज की जीवनशैली में मानवीय मूल्य कहीं खो से गए है। बस दिखाई देती है एक-दूसरे के प्रति ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार। चिड़चिड़ापन, गुस्सा, हिंसा सामान्य बात हो गई है। जिसका सीधा प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। स्वस्थ व सुखद रहने के लिए अपनी सोच व विचारों को बदलना होगा। इसके लिए दौलत की जरूरत नहीं बस चाहिए सकारात्मक दृष्टिकोण।

- अपने अंदर वर्षो से जमें नकारात्मक दृष्टिकोण, सोच, अहंकार, अहम को निकाल फेंके।
- किसी भी बात में कोई पूर्वाग्रह बहाने, रोड़े न अटकाएं। पूर्वाग्रह का कूड़ा-करकट हटाकर ही सकारात्मक सोच की शुरूआत होती है।
- व्यस्त रहें, मस्त रहें। अकेलेपन या कोई काम न होने से भी मन में अवसाद आ जाता है और नकारात्मकता घर कर जाती है। अत: खुशी के लिए लोगों से मिले-जुलें, एक-दूसरे को सहयोग दें, विचारों को बांटें।
- अपने दिमाग में पूरे दिन की रूपरेखा बना लें। हर दिन को अच्छा मानकर आगे बढ़ें। ईश्वर का धन्यवाद करें। सुबह उठते ही खुशी को अनुभव करें।
- बेकार की बातों में समय जाया न करें। ये जीवन को बोझिल बनाती हैं। आप जो भी करें, साहस व विश्वास के साथ करें। जीवन को अनुशाशित करें। बातचीत, पहनावे और आचारण में सरलता, सहजता व सादगी बनाए रखें।
- समस्याओं के कांटों को उगने से तो नहीं रोक सकते, पर बेहतर नजरिया और सकारात्मक सोच अपनाकर फूलों की तरह खिले रहने की कोशिश करें। स्वयं को स्वार्थ, संकोच व अंधविश्वास के डिब्बे से बाहर निकालिए।
- स्वावलंबी बनें। अपने काम स्वयं करें। शारीरिक श्रम का कोई विकल्प नहीं है।

मूंगदाल का हलवा

सामग्री

२५० ग्राम धुली हुई मूंगदाल, २०० ग्राम चीनी, ३०० ग्राम घी, ५० ग्राम काजू, ५० ग्राम बादाम, ५० ग्राम इलायची दाना पिसा हुआ, १ बड़ा चम्मच सूजी।

विधि

दाल को रात भर पानी में भिगोकर रखें और सुबह मिक्सी में बिना पानी डाले बारीक पीस लें। एक अलग बरतन में ६०० मिलीलीटर पानी लेकर उसमें चीनी डालें और एक तार की चाशनी बनने तक गरम करें। मेवों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर घी में तलकर रख लें। अब एक अलग कड़ाही में घी गरम करें। पहले उसमें सूजी डालें, फिर पिसी मूंगदाल डालकर चलाती जाएं। कम से कम एक घंटा हलकी आंच पर भूनें। जब दाल कड़ाही में चिपके नहीं और सुनहरी होकर घी छोड़ दे, तब उसमें चाशनी डाल दें और इलायची पाउडर भी डालकर चलाती रहें। गाढ़ा होने पर आंच पर से उतारकर तले हुए मेवे ऊपर से डालकर गरम-गरम परोसें।

टिप्स

- इडली नर्म और फूली हुई बनाने के लिए १ छोटा चम्मच मेथी दाना का पाउडर मिला लें।

डायटिंग के बिना वजन होगा कम

मोटापा सिर्फ सुंदरता का ही दुश्मन नहीं है, बल्कि यह अनेक घातक बीमारियों को आमंत्रित भी करता है। इनमें सबसे घातक बीमारी तो 'हार्ट अटैक' ही है। हृदय पर चर्बी के बोझ और रक्त नलिकाओं में कोलस्ट्रोल आने के कारण 'हार्ट अटैक' की संभावना बढ़ जाती है। आप अपना मोटापा घटाकर इस खतरे को ३५ प्रतिशत तक कम कर सकती हैं और मजे की बात यह है कि मोटापा घटाने के लिए आपको कठोर डायटिंग का सहारा लेने की भी जरूरत नहीं है। और न ही किसी कठिन व्यायाम की। आप बस अपनी रोज की कैलोरीज की मात्रा घटा दें। इसके लिए आपको डायटिंग नहीं करना होगा, बल्कि आप भरपेट भोजन कर सकती हैं।

कठोर डायटिंग का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि इससे शरीर में रक्त शर्करा का संतुलन बिगड़ जाता है। साथ ही कमजोरी भी आ जाती है, जिससे कई तरह की बीमारियां भी हो सकती हैं।

यहां हम ऐसे खाद्य पदार्थों का सुझाव दे रहें जो पेट तो भर देते हैं, लेकिन उनमें कैलोरी की मात्रा कम होती है। अगर आप प्रतिदिन ५०० कैलोरी भी घटा सकें तो १२ सप्ताह में आपका वजन लगभग ६ किलोग्राम कम हो सकता है। अगर इसके साथ हल्का-फुल्का व्यायाम करके २०० कैलोरी और घटा दें तो यह रफ्तार थोड़ी और तेज की जा सकती है।

क्या खाएं

आप ऐसी चीजें खाएं जिनमें वसा की मात्रा बहुत कम होती है और कार्बोहाइट्रेट व फाइबर की मात्रा अधिक होती है। उदाहरण के लिए ऐसी कुछ चीजें हैं- आलू, बींस, दाल, केला, सेब, बेरी, तरबूज, दूध दलिया। इन्हें आप आराम से पेट भर खाएं। आलू को घी या तेल में न पकाकर उबला या भूना हुआ ही खांए। अगर तेल या घी का इस्तेमाल करना ही पड़े तो उसका प्रयोग बहुत कम मात्रा में करें। आपको आश्चर्य होगा कि इनके उपयोग से आप दिन भर पहले की तरह ही चुस्ती-फुर्ती का अनुभव करेंगी और दूसरी तरफ स्वत: ही आपका वजन भी घटता रहेगा। इसलिए अब आप निश्चित होकर चावल, रोटी, दाल, सब्जी, सब कुछ खाते-पीते हुए भी अपनी सुंदरता वापस ला सकती है और हार्ट अटैक जैसी बीमारी से भी बच सकती हैं।

सौंफ

सौंफ दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली मसाला व औषधीय उपयोग की वस्तु है। ताजी सौंफ हल्का हरापन लिए पीले रंग की होती है। इसमें पाई जाने वाली मीठी महक उड़नशील तेल एनीथोल व फ्रैं क्रोन ३-५ प्रतिशत होता है। कच्ची सौंफ बिल्कुल हरी होती है एवं मिठास भी ज्य होती है।

औषधीय उपयोग

भूख बढ़ाना, पाचन में मदद करना, अपचन, अपचन से होने वाले अतिसार, पेट फूलना, उद पीड़ा विकारों में होता इसके अर्क का प्रयोग छोट में पेट फूलना, पेट दर्द होने पर किया जाता है। ग्राइप वाटर जैसी बच्चों की दवाइयों में अजवायन आदि के साथ सौंफ का अर्क प्रयुक्त किया जाता है। मूत्र साफ करने के गुण के कारण गुर्दे एवं मूत्राशय की व्याधियों में तथा महिलाओं के मासिक धर्म की खामियों में यह उपयुक्त है। यह कफ और वायु को मिटाती है।

कुछ घरेलू प्रयोग

- भोजन के बाद सौंफ के सेवन से सांस की बदबू, अपच एवं उल्टी में आराम मिलता है। १५ से २० ग्राम सौंफ को १०० ग्राम पानी में आधे घंटे उबाल कर बच्चे पानी को सेवन करने में अपच, उबाक तथा खाने के बाद हुए दर्द एवं अम्ल पित्त में आराम मिलता है।
- याददाश्त बढ़ाने के लिए बादाम की गिरी १०० ग्राम, सौंफ १०० ग्राम, इंजा मिश्री दूध से सेवन करें।
- अजवायन २० ग्राम, सौंफ १० ग्राम, काला नमक ५ ग्राम को बारीक करके नीबू रस में, छोटी काली मिर्च के बराबर गोलियां बना लें। धूम्रपान छुड़ाने में यह उपयोगी है।
- बड़ी इलायची के बीज, सौंफ तथा जीरा तीनों को समभाग लेकर थोड़ा भून लें, फिर चूर्ण बना लें। भोजनोपरान्त ६ ग्राम की मात्रा में सुबह शाम पानी के साथ लेने से पाचन शक्ति बढ़ती है।
- रात सोते समय ४-६ ग्राम सौंफ चबा कर खाएं और गर्म पानी पिएं। इससे जमा हुआ मल ढीला होता है।
- सौंफ, इलायची एवं लौंग मुंह में दबाकर चूसते रहने से मुंह की दुर्गन्ध बंद हो जाती है। मुंह के छाले भी ठीक हो जाते हैं।

हेल्थ प्लस

कान के पर्दे में छेद हो

कान के पर्दे के छेद को अनदेखा नहीं करना चाहिए।

कितने ही लोगों को सुनने की समस्या होती है, कुछ लोग बचपन से मरीज होते हैं, तो कुछ को किसी और कारण से बहरापन आ जाता है। इनमें से कुछ लोगों को कान के पर्दे में छेद होता है। आमतौर पर लोग इसकी अनदेखी करते है, जब तक की कोई परेशानी न होने लगे, लेकिन सही बात यह है कि कान के पर्दे के छेद को अनदेखा नहीं करना चाहिए।

कान में छिद्र के कारण १५-२० डेसीबल तक सुनने में कमी आती है यानी १० से ४० प्रतिशत। जब मरीज युवा होता है, तो उसका काम चल जाता है, लेकिन जैसे-जैसे वह बूढ़ा होने लगती है, तो उम्र संबंधी सुनने की समस्या होने लगती है और इसकी वजह से पहले से मौजूद रोग और बढ़ने लगता है। फिर आदमी इलाज के लिए भागता है, लेकिन अफसोस की बात है ऐसी अवस्था में सुनने की मशीन भी काम नहीं देती। क्योंकि जैसे ही सुनने की मशीन लगाई जाती है छिद्र में से पस पहने लगती है। ऐसा इसलिए होता है की पर्दे में छेद होने की वजह से कान गीला जल्दी हो जाता है। नतीजतन पस बहती है।

इस समस्या के इलाज के लिए दवा ली जाती है, तो भी छिद्र ठीक नहीं होता बस कान का गीलापन खत्म हो पाता है, लेकिन कान ज्यादा समय तक संक्रमण से बच नहीं पाता। नहाते वक्त कान में पानी चले जाने से या फिर नाक/साइनस के इंफेक्शन की वजह से फिर समस्या उत्पन्न हो जाती है। कान के मध्य भाग में पस के मौजूद रहने से वह सृक्ष्म हड्डियों को नुकसान पहुंचाती है। यह हड्डियां ध्वनि तरंगों को पर्दे से लेकर भीतरी कान तक पहुंचाने का काम करती है और भी कमी आती है, जिसे बाद में सर्जरी से ठीक करना आसान नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि कान के पर्दे के छिद्र को समय रहते ठीक कर लिया जाए।

यदि कान के मध्य भाग में मौजूद संक्रमण मेस्टॉइड नामक हड्डी में पहुंच जाए, तो मस्टॉइडिटिस कहा जाता है। यह संक्रमण आगे दिमाग तक पहुंच कर मेनिनजाइटिस, दिमागी फोड़े का कारण बन सकता है, जिससे जान भी जा सकती है, इससे चेहरे की तंत्रिकाएं भी कुप्रभावित हो जाती है, जिससे चेहरे के उस हिस्से को लकवा मार जाता है।

कान के पर्दे में मौजूद छिद्र की स्थिति दो प्रकार की होती है- हानिकारक एवं सुरक्षित। दोनों ही स्थितियां मामले को मुश्किल की तरफ ले जा सकती है। लेकिन हानिकारक स्थिति ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि यह कान में मौजूद हड्डियों को खराब करती है और बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती रहती है और इसका कोई लक्षण भी पता नहीं चलता। इसके अलावा कान में थोड़ा गीलापन आ जाता है।

कान के छिद्र का इलाज एक सामान्य सर्जरी से किया जा सकता है। मरीज को सिर्फ एक दिन चाहिए होता है। वह सुबह सर्जरी के लिए आता है और शाम को वापस जा सकता है। सर्जरी में कुल एक से डेढ़ घंटा लगता है। कान के पीछे कुछ टांके लगाए जाते हैं जिन्हें एक सप्ताह बाद निकाल दिया जाता है।

सर्जरी के ६ हफ्ते बाद कान ठीक हो जाता है और मरीज बेहतर सुनने लगता है। इसके बाद मरीज बिना डर के स्नान कर सकता है, क्योंकि इस बात का खतरा नहीं रहता कि कान में पानी चला जाएगा और संक्रमण हो जाएगा। इसके बाद मरीज उम्र बढ़ने पर सुनने की मशीन लगा सकता है, तब उसके मध्य कान में संक्रमण नहीं होगा।

इस तरह की सर्जरी की सफलता का प्रतिशत ९० से अधिक रहता है। यह बच्चों से लेकर ८० साल के बूढ़े तक करवा सकते हैं। कान के पर्दे के छिद्र को नजरअंदाज न करें जबकि एक आसान सर्जरी के द्वारा उसको ठीक किया जा सकता है।

आप कौनसा फल खाते हैं?

आप जिस फल को पसंद करते हैं वह बताता है आपका व्यक्तित्व!

संतरा

संतरा पसंद करने वाले लोग बहुत धैर्यवान और दृढ़निश्चयी होते हैं। ये काम भले ही धीरे करते हैं, लेकिन जो भी करने की ठानते हैं उस पूरी लगन और प्लानिंग से करते हैं। अपने काम को अंजाम देने के लिए कठिन परिश्रम करने में भी पीछे नहीं रहते। शर्मीले होते हैं, लेकिन बहुत विश्वासपात्र मित्र साबित होते हैं।

सेब

सेब पसंद करने वाले लोगों के व्यक्तित्व की खासियत है उनका बेबाक और निडर होना। हालांकि इन्हें गुस्सा काफी आता है, लेकिन ये अच्छे टीम लीडर होते हैं और अपनी टीम को हमेशा सपोर्ट करते हैं। हर परिस्थिति में तुरंत निर्णय लेना इनकी विशेषता होती है।

केला

दयालु, सभ्य और दिलवाले लोग केला पसंद करते हैं। लेकिन गुस्से में भी ये किसी कम नहीं होते हैं। इनके गुस्से का फायदा उठाने में लोग पीछे नहीं रहते हैं। अपने जीवनसाथी के लिए ये काफी भावुक होते हैं और उनकी पसंद, नापसंद का पूरा ध्यान रखते हैं।

नारियल

नारियल पसंद करने वाले लोग काफी चतुर, गंभीर और चिन्तनशील होते हैं। सामाजिक होते हैं और इस बात का भी पूरा ध्यान रखते हैं कि उनके ग्रुप में कैसे लोग हैं। आप अपने काम के प्रति हमेशा सजग रहते हैं।

पपीता

अपने अच्छे विचारों के कारण पपीता पसंद करने वाले लोग सभी की गुड लिस्ट में होते हैं। जीवन में जोखिम लेने से ये कभी नहीं डरते और यही कारण है कि जीवन में दूसरों से कहीं आगे निकल जाते हैं। नए लोगों से मिलना और घूमना हॉबी होती है।

आम

फलों के राजा आम को पसंद करने वाले लोग दिल के राजा होते हैं। दृढ़निश्चयी होने के साथ ही इनके लिए पसंद और नापसंद बहुत मायने रखती है। चुनौतियों का सामना करना इनकी रूचि में शामिल होता है।

पाइनएपल

पाइनएपल पसंद करने वाले लोग जितनी जल्दी किसी बात को सोचते हैं, उतनी ही जल्दी उस पर अमल भी करते हैं। जॉब बदलने में ये माहिर होते हैं। ये आत्मनिर्भर, ईमानदाक और गंभीर होते हैं। ये मित्र जल्दी नहीं बनाते, लेकिन जब बनाते हैं, तो लाइफ टाइम के लिए।

नाशपाती

जिस काम को करने की सोचते हैं उसे सफलतापूर्वक पूरा करना ही नाशपाती पसंद करने वालों की पहचान है। अपनी जिद के कारण कभी-कभी इन्हें परेशानी भी होती है। किसी भी ज्वलंत मुद्दे पर वाद-विवाद करना इन्हें काफी भाता है।

अंगूर

अंगूर पसंद करने वाले वैसे तो स्वभाव से शांत होते हैं, लेकिन जब इन्हें गुस्सा आता है, तो सभी दिल थाम लेते हैं। हालांकि इनका गुस्सा कुछ ही देर का होता है।

जलने पर क्या करें?

- यदि किसी दुर्घटनावश आप जल जाएं तो अपने आसपास का स्थान ठंडा रखने की कोशिश करें, क्योंकि अगर वहां का तापमान गरम होगा तो वह आप को तकलीफ पहुंचा सकता है।
- जले हुए स्थान पर धीरे-धीरे ठंडा पानी डालें तथा जले स्थान के ऊपर थोड़ी-थोड़ी देर के लिए बर्फ के टुकड़े रख दें। ऐसा करने से जलन और दर्द में राहत मिलती है। याद रखिए, ठंडे पानी से धोने के बाद ही जले हुए स्थान पर बर्फ रखें।

- जले हुए स्थान को मेडिकल सोप व साफ पानी से धोएं। फिर इनफेक्शन से बचने के लिए वहां कोई एंटीबायोटिक क्रीम लगाएं।
- यदि त्वचा अधिक जल गई हो तो डाक्टर से संपर्क करें।

हमारी तरह ही फार्म एनिमल्स भी संवेदनशील प्राणी हैं जो दर्द और पीड़ा महसूस करते हैं : पर्यटन सचिव, रवि जैन

चमकता राजस्थान

जयपुर, 21 सितंबर। पीपल फॉर एनिमल्स पब्लिक पॉलिसी फाउंडेशन और ग्लोबल फूड पार्टनर्स ने होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर के सहयोग से एक केज-फ्री एग मीट का आयोजन किया। इस बैठक ने लगभग 50 प्रतिभागी एकत्रित हुए, जिसमें भारत भर के अंतरराष्ट्रीय हॉस्पिटैलिटी चेन और केज-फ्री अंडा उत्पादक के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल थे। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से केज-फ्री अंडों के उपयोग के माध्यम से हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र द्वारा सस्टेनेबिलिटी और पशु कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के पर्यटन सचिव रवि जैन ने खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं से क्रूरता को समाप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया और होटलों से केज-फ्री अंडों की ओर बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ₹होटलों के लिए पशु कल्याण को शामिल करना और अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में नैतिक प्रथाओं और स्थिरता को अपनाना अत्यावश्यक हो गया है। हमारी तरह ही फार्म एनिमल्स भी संवेदनशील प्राणी हैं जो दर्द और पीड़ा महसूस करते हैं। उन्हें अनावश्यक क्रूरता और हिंसा का शिकार नहीं होना चाहिए।₹

होटल क्लार्क्स आमेर के प्रबंध निदेशक, श्री अपूर्व कुमार ने होटल संचालन में पशु कल्याण के एकीकरण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''परिवर्तन की शुरुआत खुद से होती है,₹ यह साझा करते हुए कि वह नैतिक कारणों से एक दशक से अधिक समय से 'वेगन' रहे हैं और अपने व्यावसायिक व्यवहार में कल्याण और नैतिक सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उपस्थित प्रतिनिधियों में हयात रीजेंसी, मैरियट होटल्स, हिल्टन होटल्स, ले मेरिडियन होटल्स, रैडिसन होटल्स, बीडब्ल्यूएच होटल्स, आईटीसी राजपुताना और नोवोटेल जयपुर सहित लगभग 15 प्रमुख होटलों के प्रतिनिधि शामिल थे। इस कार्यक्रम में होटलों की नैतिक उपभोग को बढ़ावा देने में बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला गया, जिसमें मानवीय स्त्रोतों की सप्लाई चेन में एकीकरण के माध्यम से नैतिक उत्पादन प्रक्रियाओं को अपनाना शामिल है।

इस कार्यक्रम में कई विशेषज्ञों ने संबोधित किया, जिनमें शामिल थेः पीपल फॉर एनिमल्स पब्लिक पॉलिसी फाउंडेशन की ट्रस्टी श्रीमती गौरी मौलेखी - जो कंपनियों को उनके सोर्सिंग नीतियों में पशु कल्याण को शामिल करने में मदद करती हैं; ग्लोबल फूड पार्टनर्स की कॉर्पोरेट एंगेजमेंट प्रमुख सुश्री क्रिसेल गर्ग - जो एक सिंगापुर स्थित परामर्श कंपनी है जो कंपनियों को उनके केज-फ्री लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करती है; और भारत सरकार के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, जो कॉर्पोरेट आपूर्तिकर्ताओं को केज-फ्री अंडा उत्पादन में प्रशिक्षण प्रदान करता है। सुश्री मौलेखी ने कहा, ''दुनिया भर में हजारों निगमों को पिंजरे से मुक्त अंडे की सोर्सिंग में बदलाव करके पशु कल्याण और नैतिक खाद्य आपूर्ति प्रथाओं को प्राथमिकता देते हुए देखना खुशी की बात है। अब ज़्यादातर भारतीय उपभोक्ता मानवीय स्त्रोत वाला भोजन चाहते हैं और हॉस्पिटैलिटी कंपनियों को इस मांग को पूरा करना चाहिए।"

इस सम्मेलन में आतिथ्य क्षेत्र और केज-फ्री अंडा उत्पादकों के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी को रेखांकित किया गया, जिससे मानवीय और स्थिर खाद्य स्त्रोतों की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। बी डब्ल्यू एच होटल्स के संचालन उपाध्यक्ष श्री विजय बाजपेई - जिनके पास 2025 तक अपने केज-फ्री प्रतिबद्धता को पूरा करने की समयसीमा है - ने कहा, ''भारत हमारे लिए एक चुनौतीपूर्ण बाजार रहा है क्योंकि यहां केज-फ्री अंडों की आपूर्ति सीमित है। इस कार्यक्रम ने संस्थागत उपभोक्ताओं और केज-फ्री उत्पादकों को एक छत के नीचे लाया जिससे हमें हमारे देशभर के प्रॉपर्टीज के लिए केज-फ्री अंडों की आपूर्ति करने के लिए सही साझेदार खोजने में मदद मिल सकेगी। हमें विश्वास है कि अब हम अपनी 2025 की समयसीमा को पूरा कर सकेंगे।''

संक्षिप्त समाचार

रिलायंस फाउंडेशन महिलाओं की डिजिटल भागीदारी बढ़ाने के लिए देगा 10 मिलियन डॉलर का वित्तीय सहयोग

- यूएसएआईडी और बीएमजीएफ के साथ मिलकर महिलाओं को सशक्त बनाने का लक्ष्य

चमकता राजस्थान। मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन ने अमेरिका के यूएसएआईडी और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के साथ मिलकर ₹वीमेन इन द डिजिटल इकॉनमी फंड (डब्लूआईडीईएफ) के तहत 10 मिलियन यूएस डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य भारत में महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था में सशक्त बनाना और जेंडर डिजिटल डिवाइड को कम करना है।

रिलायंस फाउंडेशन की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा, ₹डब्लूआईडीईएफ वैश्विक सहयोग का एक ऐतिहासिक कदम है और हम इस पहल का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। हम महिलाओं की आजीविका, आर्थिक सुरक्षा और तकनीक के माध्यम से सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

यूएसएआईडी-इंडिया की एक्टिंग मिशन डायरेक्टर डॉ. अलेक्जेंड्रिया 'र्टा ने इस साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, ₹भारत और अमेरिका की यह साझेदारी लैंगिक डिजिटल अंतर को समाप्त करने में एक अहम कदम है। हम रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर लाखों महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ पहुंचाने और उनके उज्वल भविष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।

जिहाद और धर्मांतरण के कु-चक्र को तोड़ेगा बजरंग दल- मिलिंद परांडे

चमकता राजस्थान। जयपुर। विश्व हिंदू परिषद् के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि बजरंग दल की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक 21 तथा 22 सितंबर को जयपुर में आयोजित हो रही है जिसमें सभी प्रांतों के सौ से अधिक प्रमुख कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।

बैठक में हिंदू समाज के विरुद्ध षड्यंत्रपूर्वक धर्मांतरण तथा मुस्लिम समाज के एक वर्ग द्वारा लव जिहाद के आक्रमण को रोकने के लिए उपाय योजना का संकल्प लिया गया।

परांडे ने बताया कि बजरंग दल हिंदू समाज की सेवा, संस्कार तथा सुरक्षा के लिए समर्पित युवा संगठन है। युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता के उद्देश्य से 23 से 30 नवंबर तक बजरंग दल द्वारा प्रखंड स्तर पर ₹रन फॉर हेल्थ₹ मैराथन का आयोजन होगा। नशामुक्ति के विषय पर 10 दिनों में 7 हजार से अधिक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों में लाखों युवा सहभागी होंगे। साथ ही हिंदू समाज में भाव जागरण के उद्देश्य से धार्मिक चिह्न त्रिशूल दीक्षा हेतु देश भर में व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

श्री तिरुपति मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी वाले घी के प्रयोग पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह हिंदू समाज की आस्था का घोर अपमान है । मंदिर ट्रस्टों पर सरकारी नियंत्रण तथा अन्य आस्थाओं के व्यक्तियों को मंदिर प्रबंधन में जगह देने से ऐसी निंदनीय घटना हुई है। देश में चर्च या मस्जिदें नहीं , केवल हिंदू मंदिर सरकारी नियंत्रण के अधीन हैं। विश्व हिंदू परिषद् की मांग है कि हिंदू मंदिरों पर हिंदू समाज का नियंत्रण होना चाहिए। हमारा प्रयास है कि मंदिरों का संचालन समाज के हर वर्ग का सहभाग हो तथा मंदिर धर्म व समाजसेवा का केंद्र बने।

परांडे ने तुष्टिकरण रोकने को आवश्यक बताते हुए कहा कि आज देश के 10 राज्यों में मतांतरण विरुद्ध कानून है तथा विश्व हिंदू परिषद् के अनुसार इस विषय पर केंद्रीय कानून होना चाहिए। वक्फ संशोधन पर प्रश्न पर उन्होंने कहा कि वक्फ की तुलना मंदिरों से असंभव है। विश्व हिंदू परिषद् राष्ट्रहित में लाए जा रहे ऐसे सभी संशोधनों का समर्थन करती है।

गत दिनों गणपति उत्सव समेत अन्य हिंदू शोभायात्राओं पर पथराव तथा हिंदुओं के विरुद्ध लक्षित हिंसा की घटनाओं पर विरोध जताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी हिंसक जिहादी मानसिकता के विरुद्ध कठोर कार्रवाई अनिवार्य है तथा शोभायात्रा के रास्तों पर ड्रोन से निगरानी की जानी चाहिए। श्री परांडे ने कहा कि आज रेलवे को निशाना बनाकर हजारों निर्दोषों की जान लेने के प्रयास राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है। ऐसे हमलों में जानबूझकर नाबालिगों का प्रयोग किया जा रहा है।

बाड़ी / बसेड़ी होते हुए भरतपुर बयाना धौलपुर रोडवेज बस सेवा हुई शुरु

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। बाड़ी बसेड़ी होते हुए भरतपुर के लिए बयाना धौलपुर रोडवेज बस सेवा हुई शुरू, बाड़ी /बसेड़ी के लोगों को बयाना आने - जाने के साधनों के आभाव को देखते हुए! भरतपुर डिपो ने भरतपुर से बयाना धौलपुर रोडवेज बस आरम्भ कर दी गयी है। यह बस भरतपुर से उच्चैन बयाना बसेड़ी बाड़ी होते हुए धौलपुर जाएगी। भरतपुर डिपो प्रबंधक शक्ति सिंह ने बताया की भरतपुर से यह बस सुबह 7 बजे चलकर 8.30 बजे बयाना तथा 10.20 बजे बसेड़ी आएगी तथा बाड़ी होते हुऐ 12.00 बजे धौलपुर पहैंचेगी। धौलपुए से यह बस दोपहर 12.30 बजे चलकर 1.15 बजे बाड़ी तथा 2.00 बजे बसेड़ी से चलकर बयाना होते हुए शाम को भरतपुर पहुंचेगी। इस बस का बयाना विधायक ऋतू बनाबत ने विदिवत पूजा अर्चना कर तथा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्थानीय लोगों ने बयाना विधायक तथा भरतपुर रोडवेज प्रबंधक का आभार व्यक्त किया है, तथा इस बस के नियमित संचालन का अनुरोध किया है ।

कार्यालय पंचायत समिति श्रीनगर (अजमेर)

क्रमांक - पं.स.श्री./एसबीएम/2024-25/8182 दिनांक : 20.09.2024

-: निविदा सूचना :-

पंचायत समिति श्रीनगर की समस्त ग्राम पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2024-25 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 20.09.2024 से दिनांक 26.09.2024 तक ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है।

क्र.सं.	ग्राम पंचायत	NIB No.	UBN No.	Tender Open Date
1.	जिलावडा	ZAJ2425A0563	ZAJ2425SSOB00628	26.09.2024
2.	रामसर	ZAJ2425A0564	ZAJ2425SSOB00629	26.09.2024
3.	देराठू	ZAJ2425A0565	ZAJ2425SSOB00630	26.09.2024
4.	भवानीखेड़ा	ZAJ2425A0566	ZAJ2425SSOB00631	26.09.2024
5.	नान्दला	ZAJ2425A0567	ZAJ2425SSOB00632	26.09.2024
6.	बिठूर	ZAJ2425A0568	ZAJ2425SSOB00633	26.09.2024
7.	तिलाना	ZAJ2425A0569	ZAJ2425SSOB00634	26.09.2024
8.	मवशिया	ZAJ2425A0570	ZAJ2425SSOB00635	26.09.2024
9.	झडवासा	ZAJ2425A0571	ZAJ2425SSOB00636	26.09.2024
10.	बाघसुरी	ZAJ2425A0572	ZAJ2425SSOB00637	26.09.2024
11.	राजौसी	ZAJ2425A0573	ZAJ2425SSOB00638	26.09.2024
12.	भटियानी	ZAJ2425A0577	ZAJ2425SSOB00642	27.09.2024
13.	श्रीनगर	ZAJ2425A0578	ZAJ2425SSOB00643	27.09.2024
14.	तिहारी	ZAJ2425A0579	ZAJ2425SSOB00644	27.09.2024
15.	साम्प्रोदा	ZAJ2425A0580	ZAJ2425SSOB00645	27.09.2024
16.	कानाखेडी	ZAJ2425A0581	ZAJ2425SSOB00646	27.09.2024
17.	लौहरवाडा	ZAJ2425A0582	ZAJ2425SSOB00647	27.09.2024
18.	सनोद	ZAJ2425A0583	ZAJ2425SSOB00648	27.09.2024
19.	दिलवाडा	ZAJ2425A0584	ZAJ2425SSOB00649	27.09.2024
20.	कानपुरा	ZAJ2425A0585	ZAJ2425SSOB00658	27.09.2024
21.	ढाल	ZAJ2425A0586	ZAJ2425SSOB00661	27.09.2024
22.	राजगढ	ZAJ2425A0587	ZAJ2425SSOB00663	27.09.2024
23.	न्यारा	ZAJ2425A0588	ZAJ2425SSOB00664	27.09.2024
24.	फारकिया	ZAJ2425A0589	ZAJ2425SSOB00666	27.09.2024
25.	लवेरा	ZAJ2425A0590	ZAJ2425SSOB00667	27.09.2024

विकास अधिकारी
पंचायत समिति श्रीनगर (अजमेर)

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने किया पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 108 वीं जयंती कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन

अब भारत किसी देश पर निर्भर नहीं है, भारत अब खुद उत्पादन करने लगा हैः मदन राठौड़

चमकता राजस्थान

जयपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की ओर से 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली, धानक्या में उनकी 108 वाँ जयन्ती कार्यक्रम अयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में समिति के कार्यालय पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली, धानक्या में उनकी 108 वाँ जयन्ती के अवसर पर स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है जिसका विषय ''भारतीय ज्ञान परंपरा एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय'' है ।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मेक इन इंडिया के तर्ज़ पर हमने यहाँ काम करना प्रारंभ कर दिया है अब मोबाइल के क्षेत्र में सबसे ज़्यादा उत्पादन भारत में होने लग गया है। अब भारत किसी देश पर निर्भर नहीं है भारत अब खुद उत्पादन करने लगा है।कच्चा माल भी अब निर्यात नहीं कर रहे है हमारे यही के कच्चे माल का इस्तेमाल कर रहे है।अब हम समृद्ध है, सुधर्द्ध है , चाकचौबंध है । हर स्थिति हमारी निगाहें चरो तरफ़ है। अभी पड़ौस के देश में जो आराजकता है वो आपके सामने हैलेकिन हमारे देश ने हमारी सभी सीमाये सील करके उसको रोक दिया है अगर वो लोग भारत में घुसते तो भी क्या करते ।हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , नेशनल एजेंसी लगातार नज़र बनाए हुए थे। वहाँ पर थानो पर लोगो ने कब्जा कर लिया था वहाँ के आर्म्स लोगो लूट लिए थे , वहाँ का नायायधीश दुबक के बैठा गया था , सेना से हथियार डाल दिये थे , वहाँ का शासक भाग गया था। ऐसी स्थिति में का नोबेल पुस्कार प्राप्त व्यक्ति को बिठाने में भी भारत का ही रोल था।हम सावधान है और परिस्थिति से मुक़ाबला करने के लिए सक्षम है हमारे यहाँ ऐसी विकट स्थिति नहीं बन सकती है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश, समारोह समिति के अध्यक्ष प्रो. मोहनलाल छीपा उपस्थिति रहे ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929